संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 325 सोमवार 29 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

मन की बात का 126 वां एपिसोड

त्योहारों में स्वदेशी सामान ही खरीदें : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 28 सितम्बर 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो शो मन की बात के 126 वें एपिसोड में फेस्टिव सीजन, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल पर बात की। पीएम ने कहा...इस बार त्योहारों में स्वदेशी सामान ही खरीदें। ठान लीजिए,हमेशा के लिए, जो देश में तैयार हुआ है,वही खरीदेंगे। इसके अलावा पीएम ने दशहरा और छठ पर्व पर भी बात की। मोदी ने कहा...भारत सरकार छठ पर्व को यूनेस्को की लिस्ट में शामिल करने पर काम कर रही है। इसके बाद पूरी दुनिया में पर्व की भव्यता फैलेगी। कार्यक्रम की शुरुआत,भगत सिंह-लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि पीएम ने कहा...आज लता मंगेशकर की जयंती है। भारतीय संस्कृति और संगीत में रूचि रखने वाला कोई भी उनके गीतों को सुनकर अभिभूत हुए बिना नहीं रह सकता। उनके गीतों में वो सब कुछ है जो मानवीय संवेदनाओं को झकझोरता है। मराठी सुगम संगीत की महान हस्ती सुधीर फड़के जी ने सबसे पहले लता दीदी से मेरा परिचय कराया था। मैंने लता दीदी को कहा कि मुझे आपका गाया गाना ज्योति कलश छलके बहुत पसंद है। अमर शहीद भगत सिंह,हर भारतवासी, विशेषकर देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणापुंज है। निर्भीकता उनके स्वभाव में कूट-कूट कर भरी थी। देश के लिए फांसी के फंदे पर झूलने से पहले भगत सिंह जी ने अंग्रेजों को एक पत्र भी लिखा था। उन्होंने कहा था कि मैं चाहता हूं कि आप मुझे और मेरे साथियों से युद्धबंदी जैसा व्यवहार करें। इसलिए हमारी जान फांसी से नहीं, सीधा गोली मार कर ली जाए।

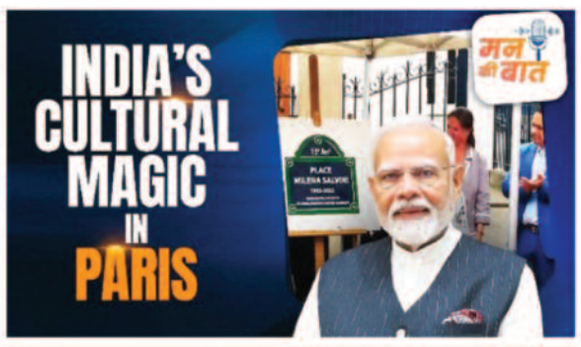

2 अक्टूबर को कोई ना कोई खादी प्रोडक्ट जरूर खरीदें : मोदी

2 अक्टूबर को गांधी जयंती है। गांधी जी ने हमेशा स्वदेशी को अपनाने पर बल दिया और इनमें खादी सबसे प्रमुख थी। दुर्भाग्य से आजादी के बाद,खादी की रौनक कुछ फीकी पड़ती जा रही थी लेकिन बीते 11 साल में खादी के प्रति देश के लोगों का आकर्षण बहुत बढ़ गया है। पिछले कुछ वर्षों में खादी की बिक्री में बहुत तेजी देखी गई है। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि 2 अक्टूबर को कोई ना कोई खादी प्रोडक्ट जरूर खरीदें। गर्व से कहें ये स्वदेशी हैं। इसे सोशल मीडिया पर वोकल फॉर लोकल के साथ शेयर भी करें।

पीएम के संबोधन की बातें...

वोकल फॉर लोकल पर...

हम ठान लें कि इस बार त्योहार सिर्फ स्वदेशी चीजों से ही मनाएंगे,तो देखिएगा, हमारे उत्सव की रौनक कई गुना बढ़ जाएगी। Vocal for Local को खरीदारी का मंत्र बना दीजिए। ठान लीजिए,हमेशा के लिए,जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे। जिसे देश के लोगों ने बनाया है, वही घर ले जाएंगे। जिसमें देश के किसी नागरिक की मेहनत है, उसी सामान का उपयोग करेंगे।

छठ पर्व पर...

हमारे पर्व,त्योहार भारत की संस्कृति को जीवंत बनाए रखते हैं। छठ पूजा ऐसा एक पावन पर्व है जो दीवाली के बाद आता है। सूर्य देव को समर्पित यह महापर्व बहुत ही विशेष है। इसमें हम डूबते सूर्य को भी अर्घ्य देते हैं, उनकी आराधना करते हैं। छठ ना सिर्फ देश के अलग-अलग हिस्सों में मनाई जाती है, बल्कि दुनिया भर में इसकी छटा देखने को मिलती है। आज ये एक ग्लोबल फेस्टिवल बन रहा है। मुझे आपको ये बताते हुए बहुत खुशी है कि भारत सरकार भी छठ पूजा को लेकर एक बड़े प्रयास में जुटी है।

आरएसएस को लेकर...

इस बार विजयादशमी एक और वजह से बहुत विशेष है। इसी दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 साल हो रहे हैं। एक शताब्दी की ये यात्रा जितनी अद्भुत है, अभूतपूर्व है, उतनी ही प्रेरक है। आज से 100 साल पहले जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी, तब देश सदियों से गुलामी की जंजीरों में बंधा था। सदियों की इस गुलामी ने हमारे स्वाभिमान और आत्मविश्वास को गहरी चोट पहुंचाई थी।

स्वच्छ भारत पर...

त्योहारों पर हम सब अपने घर की सफाई में जुट जाते हैं। लेकिन स्वच्छता सिर्फ घर की चारदीवारी तक सीमित न रहे। गली,मोहल्ला,बाजार,गाँव हर जगह पर सफाई हमारी जिम्मेदारी बने। साथियो,हमारे यहां ये पूरा समय उत्सवों का समय रहता है और दीवाली एक प्रकार से महा-उत्सव बन जाता है मैं आप सबको आने वाली दीपावली की भी बहुत-बहुत शुभकामनाएँ देता हूं।

तमिल एक्टर विजय की रैली में भगदड़ से अब तक 40 की मौत

एक्टर विजय मृतक के परिजन को 20 लाख और घायलों को 2 लाख की मदद देंगे...

करूर,28 सितम्बर 2025 (ए)। एक्टर विजय की रैली में भगदड़ में रविवार को मरने वालों का आंकड़ा 40 तक पहुंच गया है। इनमें 16 महिलाएं और 10 बचे शामिल हैं। 95 लोग घायल हैं, 51 लोग आईसीयू में भर्ती हैं। मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम ने भगदड़ के पीछे द्रविड़ मुनेत्र कड़गम की साजिश का आरोप लगाया है। मद्रास हाईकोर्ट में इस मामले की जांच के लिए अपील की है। पार्टी ने कहा कि यह भगदड़ हादसा नहीं, साजिश है। वहीं, राज्य सरकार ने कहा कि रैली में सुरक्षा नियम तोड़े गए। टीवीके के वकील अरिवझगन ने कहा-हादसा एक आपराधिक साजिश थी। हमें स्थानीय लोगों से पुख्ता जानकारी मिली है। हमारे पास कुछ सीसीटीवी फुटेज भी है। इनमें साफ दिखता है कि करूर में सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके के कुछ नेताओं की साजिश थी। हादसे के बाद गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से मामले को लेकर रिपोर्ट मांगी है। एक्टर विजय ने पार्टी के एक्स हैंडल से एक पोस्ट किया है, जिसमें लिखा- करूर में जो हुआ, उसका दुख बयां करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैं मृतकों के परिजन को 20 लाख और घायलों को 2 लाख की मदद देना चाहता हूं।

करूर भगदड़ पर पीएम मोदी ने जताया शोक मृतकों के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि घोषित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के करूर में अभिनेता-राजनेता विजय की रैली में हुई भीषण भगदड़ पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने कहा...तमिलनाडु के करूर में एक राजनीतिक रैली के दौरान हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना बेहद दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं इस कठिन समय में उन्हें शक्ति प्रदान करने की कामना करता हूं। सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। इस त्रासदी में घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

जम्मू-कश्मीर:कुपवाड़ा में सेना ने दो आतंकी ढेर किए

कुपवाड़ा,28 सितम्बर 2025 (ए)। जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में सेना ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया। ये आतंकी एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक,शव एलओसी के बहुत करीब पड़े हैं। सीमा पार से गोलीबारी के खतरे को देखते हुए कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें निकालने का अभियान जारी है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके संगठन की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। पिछले 8 दिनों में सेना और आतंकवादियों के बीच यह दूसरा एनकाउंटर है। इससे पहले 20 सितंबर को जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया था। वहीं एसपीओ समेत दो पुलिसकर्मी घायल हुए थे। मुठभेड़ दूदू-बसंतगढ़ और डोडा के भद्रवाह में सोजधार के जंगलों में हुई थी।

पंजाब बीएसएफ ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर पकड़े दो ड्रोन व हेरोइन

चंडीगढ़,28 सितम्बर 2025 (ए)। सीमा सुरक्षा बल ने रविवार को भारत-पाक सीमा पर कार्रवाई करते हुए हेरोइन तथा दो ड्रोन बरामद किए हैं। यह कार्रवाई पंजाब के सीमावर्ती जिला अमृतसर तथा तरनतारन में की गई है। बीएसएफ प्रवक्ता के अनुसार तरनतारन जिले में विशेष खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए जवानों ने गांव नौशेरा ढल्ला के पास तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान खेतों से डीजेआई मैविक 3 क्लासिक ड्रोन बरामद हुआ। यह ड्रोन पाकिस्तान की ओर से भेजा गया था और संभवतः नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए प्रयोग होना था। इसी तरह दूसरी घटना में अमृतसर बॉर्डर पर गश्त के दौरान सतर्क जवानों ने गांव धनोए कलां के नजदीक बॉर्डर फैंसिंग से आगे स्थित एक खेत में संदिग्ध गतिविधि देखी। तलाशी लेने पर वहां से एक डीजेआई मैविक 3 क्लासिक ड्रोन और हेरोइन का पैकेट बरामद किया गया। पैकेट का कुल वजन 558 ग्राम बताया जा रहा है।

गुजरात के अमरेली में दो करोड़ से अधिक की व्हेल मछली की उल्टी के साथ एक शख्स गिरफ्तार

गांधीनगर,28 सितम्बर 2025 (ए)। गुजरात के अमरेली जिले की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने अवैध वन्यजीव संबंधी गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। वर्सड़ा गांव के पास पुलिस ने व्हेल मछली की उल्टी यानी एम्बरग्रीस का बड़ा जखीरा बरामद कर एक शख्स को गिरफ्तार किया। जब्त किए गए माल की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2 करोड़ 19 लाख 90 हजार रुपये बताई जा रही है। एसओजी के पीआई आर.डी. चौधरी और उनकी टीम को गुप्त जानकारी मिली थी कि कुछ लोग व्हेल मछली की उल्टी का अवैध सौदा करने वाले हैं। इस आधार पर पुलिस ने वर्सड़ा गांव के बस स्टैंड के पास चेकिंग अभियान चलाया।

उन्मेष ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार किया : उपराष्ट्रपति

पटना,28 सितम्बर 2025 (ए)। बिहार की राजधानी पटना के ज्ञान भवन, सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र में आयोजित एशिया के सबसे बड़े साहित्य उत्सव 'उन्मेष' का समापन रविवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि 'उन्मेष' ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार किया है। इस मौके पर उपराष्ट्रपति ने कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि मैं संस्कृति, साहित्य और ज्ञान की धरती पर खड़ा होकर आप सबको संबोधित कर रहा हूं। अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव उन्मेष ने विभिन्न भाषाओं के बंधन को तोड़ते हुए श्रेष्ठ साहित्य से रूबरू होने का एक यादगार अवसर उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा कि संस्कृति मंत्रालय इसके लिए बधाई का हकदार है,जिसने इतनी भाषाओं, अन्य देशों के लोगों को इससे जोड़ा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यूरोप में कभी किसी ने उनसे भारत की भाषायी एकता पर आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा कि कैसे संभव है, तब उन्होंने जवाब दिया था कि हम सब भारतवासी भाषा से नहीं धर्म से भी जुड़े हुए हैं। उन्मेष ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को बहुत अच्छे ढंग से साकार किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हमारी नई पीढ़ी और हमारे अन्य लेखक तथा चिंतक इससे प्रेरणा लेकर और बेहतर साहित्य रचने के लिए प्रोत्साहित होंगे। उपराष्ट्रपति ने बिहार की भूमि पर जन्मी माँ सीता, भगवान बुद्ध, महावीर के साथ ही नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालयों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन्होंने ही भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने नालंदा के पुनः शुरू होने पर हर्ष व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि बिहार माता सीता की जन्मभूमि और सदियों से विश्व को प्रेरित करने वाली पवित्र धरती है। यह उनका बिहार का पहला दौरा है और इस पवित्र भूमि का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि बिहार माता सीता की जन्मभूमि है,जिन्होंने साहस और धैर्य का जीवन जीकर पूरे विश्व को प्रेरित किया। यही सीख हमें भी संघर्ष और आगे बढ़ने की शक्ति देती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि बिहार सदियों से क्रांतिकारियों का केंद्र रहा है। 19 वर्ष की आयु में वे स्वयं जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति आंदोलन का हिस्सा बने थे।

ईडब्ल्यूएस घोटाले-छेड़छाड़ मामले में 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया फर्जी बाबा चैत्यानंद सरस्वती

नई दिल्ली,28 सितम्बर 2025 (ए)। दिल्ली पुलिस की टीम ने ईडब्ल्यूएस छात्रवृत्ति घोटाले और छेड़छाड़ के आरोपी पार्थ सारथी उर्फ चैत्यानंद सरस्वती को रविवार को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। आरोपी पार्थ सारथी पर ईडब्ल्यूएस छात्रवृत्ति के तहत पीजीडीएम पाठ्यक्रम कर रही छात्राओं से कथित तौर पर छेड़छाड़ और जालसाजी का गंभीर आरोप है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने पार्थ सारथी उर्फ चैत्यानंद सरस्वती शनिवार देर रात आगरा के एक होटल से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने अदालत से विस्तृत पूछताछ और मामले से संबंधित और सबूत जुटाने के लिए हिरासत की मांग की थी,जिसके बाद पटियाला हाउस कोर्ट ने आरोपी को 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस अब इस मामले में आगे की जांच करेगी।

दिल्ली पुलिस ने चैतन्यानंद के पास से 2 फर्जी विजिटिंग कार्ड बरामद किए हैं। एक कार्ड में उसे संयुक्त राष्ट्र में स्थायी राजदूत और दूसरे में ब्रिक्स संयुक्त आयोग का सदस्य और भारत का विशेष दूत बताया गया है।

नेपाल के पूर्व पीएम केपी ओली के काठमांडू छोड़ने पर रोक

पूर्व गृहमंत्री और 3 अधिकारियों को भी यही आदेश, पासपोर्ट भी रद्द होगा

काठमांडू,28 सितम्बर 2025 (ए)। नेपाल के पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली समेत 5 लोगों के काठमांडू छोड़ने पर रोक लगा दी गई है। इनमें पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक,गृह सचिव गोकर्ण मणि दुवाडी, आंतरिक खुफिया विभाग के प्रमुख हुत राज थापा, काठमांडू के तत्कालीन जिलाधिकारी छवि रिजाल शामिल हैं। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाले न्यायिक आयोग ने लिया है। यह आयोग तद्रुठुं आंदोलन के दौरान हुई गोलीबारी की जांच कर रहा है। इसके अलावा आयोग ने इन नेताओं के पासपोर्ट निलंबित करने और कड़ी निगरानी रखने का भी आदेश दिया है। आयोग ने साफ किया कि बिना आयोग की अनुमति के कोई भी व्यक्ति काठमांडू से बाहर नहीं जा सकता। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली इस्तीफा देने के 18 दिन बाद शनिवार को सार्वजनिक रूप से दिखे। वे पार्टी के छात्र संगठन के कार्यक्रम में भक्तपुर पहुंचे थे। बैठक में ओली ने कहा कि हम देश को तमाशे वाली सरकार के हवाले करके विदेश नहीं जा सकते।

देश से नक्सलवाद 2026 तक समाप्त हो जाएगा : अमित शाह

नई दिल्ली, 28 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को एक बार फिर दोहराया कि देश से नक्सलवाद 31 मार्च, 2026 तक समाप्त हो जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने वामपंथी विचारधारा पर भी हमला किया और कहा कि वैचारिक, कानूनी और वित्तीय मदद करने वालों को जब तक देश की जनता पहचान नहीं लेती, तब तक हिंसात्मक वामपंथ के खिलाफ लड़ाई समाप्त नहीं होगी। गृहमंत्री अमित शाह विज्ञान भवन में आयोजित भारत मंथन 2025-नक्सली मुक्त भारत के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, बहुत से लोग मानते हैं कि नक्सलियों द्वारा की जा रही हत्याओं को रोकना ही भारत से नक्सलवाद का सफाया करने के लिए पर्याप्त है, लेकिन यह सच नहीं है। भारत में नक्सलवाद इसलिए पनपा, क्योंकि इस विचारधारा को हमारे समाज के ही लोगों ने पोषित किया। हमें उन लोगों की पहचान करनी होगी और उन्हें समझना होगा, जो नक्सल विचारधारा को पोषित करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी का गठन तीन प्रमुख विषयों पर केंद्रित था। इसमें देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और भारतीय संस्कृति के सभी अंगों का पुनरुत्थान शामिल था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने पर आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी तीन प्रमुख समस्याएं थी। पहली जम्मू कश्मीर में आतंकवाद,दूसरी पूर्वोत्तर में अलगाववाद और तीसरी देश के भीतरी हिस्सों में नक्सलवाद। उन्होंने कहा कि देश में शासन करने वाली सरकारों की उपलब्धियां को केवल और केवल तुलनात्मक ढंग से ही समझा जा सकता है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार और पिछली कांग्रेस की सरकारों के दौरान आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में कहीं बेहतर काम किया है, जिसके परिणाम दिखाई दे रहे हैं। सुरक्षा बलों और आम नागरिकों के बहुमूल्य जीवन का नुकसान कम हुआ है। उन्होंने कहा कि एक समय में वामपंथी पशुपतिनाथ से तिरुपति तक के बड़े रेड कॉरिडोर पर दावा करते थे, लेकिन अब अगर कोई इस तरह की बात करता है, तो उस पर हंसी आती है। एक संदर्भ में अमित शाह ने इस बात का भी उल्लेख किया कि पश्चिम बंगाल में वामपंथियों के सत्ता में आने के बाद वहां नक्सली आंदोलन समाप्त हो गया।

बिना मांगे जहन्नुम का टिकट करा देंगे,लातों के भूत बातों से नहीं मानते : योगी

बलरामपुर,28 सितम्बर 2025 (ए)। बरेली में जुमे पर आई लव मोहम्मद को लेकर हुए बवाल पर सीएम योगी ने कहा- अराजकता कतई स्वीकार नहीं है। बिना मांगे जहन्नुम का टिकट कटवा देंगे। लातों के भूत बातों से नहीं मानते। इनको लगता है कि सरकार अब भी झुककर काम करेगी,लेकिन अब दुस्साहस करोगे तो वैसे ही पिटोगे,जैसे बरेली में पीटे गए। इन मूर्खों को पता नहीं कि आस्था को प्यार नहीं, सम्मान दिया जाता है। जिन बच्चों के हाथों में कलम होनी चाहिए, उनके हाथों में आई लव मोहम्मद का पोस्टर देकर अराजकता फैला रहे हैं।उनकी जिंदगी तो बर्बाद है ही,उन बच्चों की भी बर्बाद कर रहे। सीएम ने बलरामपुर में रविवार को ये बातें कहीं। उन्होंने यहां 825 करोड़ रुपए की 124 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। इससे पहले योगी ने शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर में आदिशक्ति मां पाटेश्वरी के दर्शन किए। इस दौरान बच्चों को देखकर उनके पास पहुंचे। हाल-चाल जाना, चॉकलेट दी। इसके बाद सीएम ने गौशाला में गायों को चारा और गुड़ खिलाया। योगी ने कहा- कुछ लोग भारत में रहते हैं, मगर गजवा-ए-हिंद का नारा देकर देश-विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। गजवा-ए-हिंद भारत की धरती पर नहीं होगा। यह धरती महापुरुषों की भूमि है। यह देश उन महापुरुषों के आदर्शों पर चलता है,जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। गजवा-ए-हिंद की कल्पना की तो जहन्नुम का टिकट बन जाएगा।

छांगुर बाबा जैसे लोगों से सतर्क रहिए...

योगी ने कहा- जलालुद्दीन ने अपना नाम छांगुर बाबा रख लिया था। इससे वह हिंदू समाज की आंखों में धूल झोंक रहा था। पापी कितना भी अपने पाप छिपाने का प्रयास करे, पाप का घड़ा भरना ही है। ऐसे लोगों को धरती माता कभी बर्दाश्त नहीं कर पाएंगी। हमें ऐसे लोगों से सतर्क रहना होगा।

बरेली बवाल पर योगी ने कहा...

अराजकता फैलाने की कीमत चुकानी होगी एक तरफ विकास लगातार हो रहा है,दूसरी तरफ कुछ ऐसे तत्व हैं जो विकास में बाधा डाल रहे हैं। वे त्योहारों में व्यवधान उत्पन्न करना चाहते हैं और अराजकता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानते हैं। मैं उन्हें चेतावनी देता हूं कि अगर आप विकास में बाधा बनेंगे तो मानकर चलिए यही विकास सबसे पहले आपके विनाश का कारण बनेगा। पिछले आठ साल में कुछ नहीं कर पाए,अब नए तौर-तरीके अपना रहे हैं,जितना सोचते हैं,उसकी तुलना में हमारी तैयारी ज्यादा है। अगर त्योहारों में व्यवधान उत्पन्न करने का प्रयास किया गया तो इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह उनकी आने वाली पीढ़ियां भी याद रखेंगी।

संपादकीय

समुद्री महत्त्वाकांक्षाएं : नई नीति से क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जहाज निर्माण एवं समुद्री क्षेत्र के लिए 69,725 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है। सरकार की इस पहल से भारत की क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। घरेलू समुद्री क्षमता मजबूत करने,दीर्घकालिक वित्त सक्षम बनाने,शिपयार्ड विकसित करने और मानव पूंजी निर्माण,इन चार स्तंभों पर केंद्रित इस पैकेज का दायरा काफी व्यापक एवं महत्त्वाकांक्षी है। यह ऊर्जा दक्षता और सतत विकास के व्यापक राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ भी फिट बैठता है। मात्रा के लिहाज से भारत का लगभग 95 फीसदी विदेशी व्यापार समुद्री मार्ग से होता है। भारत की भौगोलिक स्थिति भी इसके हक में जाती है। जहाज निर्माण वित्तीय सहायता योजना अब 24,736 करोड़ रुपये के पर्याप्त कोष और 4,001 करोड़ रुपये के 'शिपब्रेकिंग क्रेडिट नोट' के साथ वर्ष2036 तक बढ़ाई जाएगी। एक राष्ट्रीय जहाज निर्माण मिशन इस समग्र प्रयास का मार्गदर्शन करेगा, जिससे निरंतरता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। 25,000 करोड़ रुपये के कोष के साथ समुद्री विकास कोष के सृजन के माध्यम से दीर्घकालिक वित्त समस्याओं के समाधान की उम्मीद है। इसमें समुद्री निवेश कोष और ब्याज प्रोत्साहन कोष शामिल हैं,जिन्हें परियोजना की विश्वसनीयता में सुधार और निजी पूंजी आकर्षित करने के मकसद से तैयार किया गया है। बड़े वाणिज्यिक जहाजों को बुनियादी ढांचे का दर्जा देने का हालिया निर्णय भी महत्त्वपूर्ण है। यह जहाज मालिकों को दीर्घकालिक एवं सस्ते ऋणों तक पहुंच हासिल करने में मदद करेगा। पैकेज का एक और महत्त्वपूर्ण बिंदु कौशल पर ध्यान केंद्रित करना है। आधुनिक जहाज निर्माण के लिए सटीक इंजीनियरिंग, स्वचालन, डिजिटल-डिजाइन उपकरण और वैश्विक पर्यावरणीय मानकों का पालन आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन के नियम अब ऊर्जा दक्षता और कम उत्सर्जन पर विशेष रूप से अधिक जोर दे रहे हैं। इन नियमों के अनुसार जहाजों को पर्यावरण अनुकूल, हल्का और आधुनिक होना चाहिए। अगर भारत भविष्य की मांग के अनुरूप आगे बढ़ना चाहता है तो ऐसे जहाज तैयार करने के लिए भारत के कार्यबल को हुनरमंद बनाना आवश्यक है। दुनिया में अधिकांश जहाज अब पुराने पड़ चुके हैं वहीं अब पर्यावरणीय मानदंड कड़े होते जा रहे हैं। दुनिया भर की जहाज कंपनियां ऐसे जहाज चाह रही हैं,जो कम ईंधन की खपत करने के साथ कम प्रदूषण उत्सर्जित करते हैं और एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) प्रणोदन,हाइब्रिड प्रणाली और डिजिटल संचालन उपकरण जैसी नई तकनीक को अपनाते हैं। हालांकि, चुनौतियां अपनी जगह कायम हैं। दशकों से भारतीय शिपयार्ड कंपनियां लागत में बढ़ोतरी,परियोजना में देरी और अपर्याप्त नीतिगत समर्थन से जूझ रही हैं। इसे देखते हुए सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रोत्साहन प्रदर्शन आधारित हो, शिपयार्ड स्पष्ट मानकों से साथ आधुनिक बनाए जाएं और वित्त उपलब्ध कराने वाले माध्यम पारदर्शी और आसानी से उपलब्ध हों। निजी क्षेत्र को भी अपनी भूमिका निभानी चाहिए। सफल होने के लिए भारतीय शिपयार्ड उद्योग को आक्रामक रूप से वैश्विक ऑर्डर देना चाहिए, स्थापित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ तकनीकी साझेदारी करनी चाहिए और निर्यात पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सरकार को अपनी तरफ से बंदरगाहों पर लॉजिस्टिक से जुड़ी बाधाएं दूर करने जैसे उपायों पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर ये प्रभावी ढंग से लागू किए जाएं तो समग्र पैकेज से जहाज निर्माण क्षमता में बढ़ोतरी होने, लगभग 30 लाख नौकरियों के सृजन और लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश आने की उम्मीद है। आर्थिक गुणा-भाग अपनी जगह हैं मगर यह पैकेज अनिश्चितताओं से भरे मौजूदा समय में राष्ट्रीय हितों के साथ ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा को मजबूती देगा।

आधुनिक जीवनशैली में हृदय विकार का खतरा चरम पर...

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

हृदय रोग विश्व भर में तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्या हैं। हमारे देश में तो यह चरम पर हैं, एक-दो दशक पहले तक यह समस्या केवल अमीर बुजुर्गों के हिस्से आनेवाली मानी जाती थी,परंतु देश में अब इस बीमारी ने अत्यधिक तेजी से पैर पसारे हैं। बच्चे और जवान भी इसके शिकार हो रहे हैं। देश में प्रदूषण और मिलावटखोरी ने समस्त जीवसृष्टि के लिए खतरा बढ़ाया है और मनुष्य का आलस्य, लालच, निकृष्ट दर्जे का खाना, आधुनिक जीवनशैली व मानसिक तनाव ने बीमारियों को मौत के तौर पर आमंत्रित किया हैं। देश में खुद युवा अवस्था में हृदय रोग चिकित्सक भी हृदय रोग से जान गंवाने की घटनाएं हो रही हैं। इस साल 2025 के लिए विश्व हृदय दिवस की थीम है एक भी धड़कन न चूकें। यह थीम हमारे हृदय स्वास्थ्य को गंभीरता से लेने के लिए एक सशक्त अनुस्मारक है, जो हृदय रोग के प्रारंभिक चेतावनी संकेतों के प्रति सक्रिय रहने और जाँच में देरी न करने, स्वस्थ आदतों और समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप पर जोर देता हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हृदय रोग दुनिया भर में मृत्यु का प्रमुख कारण हैं। 2022 में, अनुमानित 19.8 मिलियन लोगों की हृदय रोग से मृत्यु हुई, जो वैश्विक स्तर पर होने वाली कुल मौतों का लगभग 32 प्रतिशत हैं। इनमें से 85 प्रतिशत मौतें दिल के दौरे और स्ट्रोक के कारण हुईं। संयुक्त राज्य अमेरिका में हर 34 सेकंड में एक व्यक्ति हृदय रोग से मरता है और 2023 में, हृदय रोग से 9,19,032 लोगों की मृत्यु हुयी, अर्थात हर तीन मौतों में से एक। अधिकांश हृदय रोगों को तंबाकू सेवन,अस्वास्थ्यकर आहार (नमक, चीनी और वसा में उच्च) और मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता,द्वेष,चिड़चिड़ापन,गुस्सा,चिंता,अवसाद,मिलावटखोरी, शराब का हानिकारक सेवन और वायु प्रदूषण जैसे व्यवहारिक और पर्यावरणीय जोखिम कारकों को संबोधित करके रोका जा सकता हैं। हृदय रोग का जल्द से जल्द पता लगाना महत्वपूर्ण है ताकि परामर्श और दवा के साथ प्रबंधन शुरू किया जा सकें। दिल्ली के आकाश हेल्थकेयर द्वारा किए गए पाँच-वर्षीय अध्ययन से पता चला है कि कोविड-19 महामारी के बाद से हृदय रोग के मामले दोगुने हो गए हैं और आपातकालीन मामलों में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई हैं। 2020 से 2023 के बीच भारत के अस्पतालों से प्राप्त आँकड़ों से पता चलता है कि हृदय रोग के 50 प्रतिशत मरीज़ 40 वर्ष से कम आयु के हैं, जो कि बेहद ही गंभीर विषय हैं। पिछले 4-5 वर्षों में युवाओं में इसके मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई हैं। उच्च रक्तचाप (24 प्रतिशत), मधुमेह (10 प्रतिशत), और डिस्लिपिडेमिया (39 प्रतिशत) जैसे जोखिम कारक शामिल हैं। इसके अलावा, धूम्रपान (36 प्रतिशत), अत्यधिक शराब का सेवन (16 प्रतिशत), अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि (11 प्रतिशत) और खराब आहार गुणवत्ता (12 प्रतिशत), व्यक्तिगत एवम कार्य-संबंधी तनाव, मनोसामाजिक कारक, और जीवन की घटनाएँ (32 प्रतिशत) जो अंतःसंवहनी घनास्त्रता एवम परिणामस्वरूप, हृदय संबंधी घटनाओं के जोखिम को बढ़ाती हैं। इसके अलावा, आनुवंशिक कारक और सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ स्थिति को अधिक जटिल बना देती हैं। दुनिया भर में तंबाकू से संबंधित हृदय रोग से 1.9 मिलियन मौतें होती हैं। गुजरात के जामनगर शहर के 41 वर्षीय जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव गांधी का उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। रिपोर्टों के अनुसार, डॉ. गांधी ने अपने करियर में 16,000 से ज़्यादा हृदय शल्य चिकित्साएँ की थी।

बंगाली लोक संस्कृति का विशिष्ट प्रतीक है माँ दुर्गा को समर्पित धुनुची नृत्य

कुमार कृष्णान
(विभूति फीचर्स)

नवरात्रि के पवित्र पावन समय में विशाल पंडालों में,रोशनी की लहरों के बीच,माँ दुर्गा की प्रतिमा साक्षात दुर्गा स्वरूप में विराजमान होती है, देवी की आँखों में जो करुणा और क्रोध का संयोग है,वही भाव धीरे धीरे मनुष्यों की देह में उतरने लगता है, इसी क्षण शुरू होता है एक ऐसा नृत्य, जिसमें शरीर का नृत्य नहीं, आत्मा का नर्तन दिखता है...धुनुची नृत्य!! देवी दुर्गा को समर्पित है धुनुची नृत्य। कई लोगों का मानना है कि धुनुची नृत्य के बिना दुर्गा पूजा अधूरी है। यह धुनुची नृत्य दुर्गा पूजा का एक महत्वपूर्ण बंगाली शक्ति नृत्य है,जो देवी दुर्गा के सामने किया जाता है। धुनुची नृत्य बंगाल और आसपास के कई राज्यों में दुर्गा पूजा के दौरान किया जाता है और भक्त इसमें उत्साह से भाग लेते हैं।

धुनुची नृत्य की शुरुआत सबसे पहले दुर्गा पूजा के दौरान जमींदारों के घरों में हुई थी। बाद में, यह परंपरा कोलकाता और बंगाल के विभिन्न हिस्सों में बारवारी पूजा के दौरान लोकप्रिय हो गई। आज, यह न केवल दुर्गा पूजा का एक अनिवार्य हिस्सा है, बल्कि एक प्रतियोगिता का रूप भी ले चुका है। पुराणों के अनुसार,महिषासुर का वध करने से पहले,देवी दुर्गा ने शक्ति संचय हेतु धुनुची नृत्य किया था।तब से, यह माना जाता है कि इस नृत्य के माध्यम से व्यक्ति स्वयं को पूर्णतः देवी दुर्गा के प्रति समर्पित कर सकता है और इससे सभी बुरी शक्तियां दूर हो जाती हैं। हाथों में जलती हुई धुनुची लेकर नृत्य करने की यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। धुनुची मूलतः एक मिट्टी का बर्तन होता है जिसमें जलते हुए नारियल के खोल या कोयले पर धूप जलाई जाती है। प्राचीन काल से ही इसका उपयोग वातावरण को शुद्ध करने और पूजा के दौरान देवताओं की पूजा के लिए किया जाता रहा है। धुनुची नृत्य पश्चिम बंगाल का एक पारंपरिक नृत्य है। माता की आरती के दौरान हाथ में मिट्टी का बर्तन लिया जाता है जिसमें जलती हुई धूपबत्ती होती है। यह नृत्य देवी दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए किया जाता है। नृत्य के दौरान जलती हुई धूपबत्ती से निकलने वाला धुआं वातावरण को भक्ति और ऊर्जा से भर देता है।

धुनुची नृत्य दुर्गा पूजा के आनंद को कई गुना बढ़ा देता है। ढोल,बांसुरी,शंख और धुनुची के धुएं का मेल एक मनोरम वातावरण का निर्माण करता है। लिंग भेद के बिना हर कोई इस नृत्य में भाग लेता है और एक सामाजिक समागम का निर्माण करता है। धुनुची नृत्य बंगाली लोक संस्कृति का एक विशिष्ट प्रतीक है। यह परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है। चाहे अष्टमी की सुबह हो या नवमी की रात,सप्तमी की शाम हो या दशमी की भोर,बंगाली दुर्गा पूजा धुनुची नृत्य के बिना अधूरी है। धुनुची को धूप और अगरबत्ती से जलाया जाता है,और जलती हुई धुनुची को कभी हाथ में, कभी मुंह में, कभी कमर पर रखकर ताल पर नृत्य किया जाता है। ढाक की थाप के साथ तालमेल बिठाने वाला यह नृत्य बंगालियों के लिए एक अनूठा आयाम रखता है।

दुर्गा पूजा के दौरान संध्या आरती के समय धुनुची नृत्य किया जाता है। यह नृत्य बंगाल की समृद्ध परंपराओं और संस्कृति की झलक भी प्रस्तुत करता है। यह नृत्य केवल बंगाल तक ही सीमित नहीं है, अब यह देश भर के कई राज्यों में किया जाता है। कई महिलाएं पारंपरिक लाल और सफेद साड़ियां पहनकर यह नृत्य करती हैं। धुनुची नृत्य केवल एक पारंपरिक नृत्य ही नहीं है, यह बंगाल की सांस्कृतिक विरासत, मान्यताओं और त्यौहारों का एक जीवंत प्रतीक है। दुर्गा पूजा जैसे प्रमुख त्यौहार के दौरान, धुनुची नृत्य उत्सव की रौनक बढ़ा देता है। यह नृत्य न केवल देवी की आराधना का एक अंग है,बल्कि सामूहिक एकता, सकारात्मकता और परंपरा की निरंतरता को भी बढ़ावा देता है। धुनुची नृत्य ने आधुनिक युग में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी है और पीढ़ी-दर-पीढ़ी लोगों को अपनी जड़ों और संस्कृति से जोड़े रखा है। परंपरा केवल एक रीति-रिवाज नहीं, बल्कि एक विरासत है जो समाज की आत्मा को पोषित करती है। इसलिए, दुर्गा पूजा के दौरान धुनुची नृत्य देखना और उसमें भाग लेना न केवल एक आनंददायक अनुभव है, बल्कि भक्ति, समर्पण और सांस्कृतिक गौरव का उत्सव भी है। दुर्गा पूजा के अंतिम दिन,विसर्जन से पहले, जब सबका मन भारी होता है,तब धुनुची नृत्य और उन्मुक्त हो जाता है,मानो लोग माँ को आखिरी बार दिखाना चाहते हैं कि उन्होंने पूरे मन से भक्ति की है, धुएँ से भरा पंडाल, थकान से भरे चेहरे, लेकिन हर कदम माँ की छवि में घुला हुआ, यही वह तिलस्म है जो किसी दर्शक को भी भक्त बना देता है। कोई इसे भक्ति कहे,उत्सव कहे या लोकनृत्य,पर सच यह है कि धुनुची नृत्य एक आध्यात्मिक यात्रा है, इसमें समय थम जाता है, शरीर मिट्टी में बदल जाता है, और आत्मा माँ की आँखों में घुल जाती है,इसीलिए तो बंगाल में कहा जिता है कि मा'र पूजा शेष होये जाबे, किन्तु धुनो'र गन्धो ठाकबे (माँ की पूजा भले ही खत्म हो जाए,लेकिन धूप की गंध बनी रहेगी)

राम राज्य हेतु आवश्यकता है खुद को बदलना

संजय गोस्वामी
अनुशक्तिनगर,मुंबई

राम राज्य कपोल कल्पना नहीं एक आदर्श न्याय प्रणाली जरूर है लेकिन उस समय की जनता के अन्दर क़ोई छल-कपट या गलत भावना नहीं था लोगों का सम्मान और भगवान राम पर विश्वास करते थे उन्हें हमेशा यही लगता कि भगवान राम हमें न्याय जरूर करेंगे और किसी एक जनता की शिकायत पर माता सीता को भी छोड़ दिया और जनता की बात का हमेशा ख्याल रखा,हालांकि माता सीता भगवान राम का ही ध्यान करती थी क्यों छोड़ा इसका मुझे भी ज्यादा ज्ञान नहीं है भगवान राम शायद परिवारवाद का आरोप ना लगे शायद यह कारण हो सकता है जो बाल्मीकि रामायण में है लेकिन गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरित्र मानस में शायद नहीं पढ़ा है जब भी भगवान श्री राम को लगता है कि पृथ्वी पर अब न्याय मिटने वाला है वो अवश्य ही पृथ्वी पर अपने भक्त को भेजते हैं न्याय का रास्ता दिखाने हेतु और बाद में खुद ही अवतार लेकर अपनी दैविक शक्ति से सत्य कार्य के लिए अधर्मी का नाश करते हैं 1539 में गुरु नानक देव जी पृथ्वी पर आते हैं और ज्ञान का संदेश देकर लोगों में इंसानियत का पाठ पढ़ाते है 1500 इसवीं में बाबर का शासन था उसे जुल्मी शासक और लूटेरा भी गुरूजी ने कहा उसके खिलाफ बोलने पर गुरुनानक जी को उसने जेल में डाल दिया बाद में बाबर ने पूछा की तुम्हे मुझसे डर नहीं लगता उन्होंने कहा जो सच बोल रहा हो उसे डर कैसा अतः वो क़ोई सूफ़ी संत समझ कर छोड़ दिया और निकल पड़े सभी में ईश्वर का ज्ञान का प्रकाश डालने उस समय छुवा छूत और मुग़ल शासन की दरिंदगी भारत में बढ़ रही थी।

अतः उन्होंने दोनों हिन्दू और मुस्लिम को सही ज्ञान दिया एक बार किसी सेठ ने गुरुनानक देव जी को श्राद्ध के लिए बुलाया और गुरूजी ने हामी भर दि की शाम को आऊंगा जब सेठ ने कई हजार पंडितो को भोजन खिला रहा था तभी गुरुनानक देव जी उसके पास आए तो सेठ ने तुरंत उन्हें आदर सत्कार से बैठाया और भोजन करने को कहा गुरुनानक देवजी ने कहा पहले सभी को खाने दो फिर बाद में मैं खा लूंगा जब सभी ने भोजन किया तो गुरुनानक जी को भोजन करने को कहा तभी गुरुनानक देव जी ने उन्हें कहा ऐ क्या कर रहें रहें तो उसने कहा पिताजी के श्राद्ध पर भोजन करा रहा हूँ ताकि उन्हें मुक्ति मिले गुरुनानक जी ने कहा वो मूक्त नहीं हुए हैं वो नदी के किनारे पेड़ के निचे भेड़ीया बन कर भूखे बैठे हैं जो भोजन सेठ ने गुरुनानक देव को दिया वही भोजन उन्होंने परमात्मा का स्मरण कर उसे सेठ को दिया और सेठ ने कहा इतनी दिनों से यह कर रहा हूँ इस इलाके के सबसे नामी पंडितो को भोजन करा रहा हूँ और सभी यही कह रहें हैं उन्हें मूक्ती मिल गई है फिर आपके कहने के अनुसार जा रहा हूँ लेकिन सेठ ने कहा भेड़ीया कहीं काटेगा तो नहीं उन्होंने कहा नहीं काटेगा पहले जा जल्दी वो भूख से व्याकुल हो रहा है अतः ऐसा सुनकर सेठ ने तुरंत नौका से चलकर उस पेड़ के निचे गया और सच में देखा भेड़ीया भूख से तड़प रहा था और तुरंत वह भोजन किया और थोड़ी देर बाद वह भेड़ीया ने दम तोड़ दिया उसे देख कर वहाँ उस सेठ ने उसका अंतिम संस्कार कराया और फिर गुरुनानक देवजी से कहा आपने सत्य कहा लेकिन भोजन के बाद वो दम तोड़ दिया और ऐ सब हुआ कैसे तभी गुरुनानक देव कहते हैं।

अब तुम्हारे पिताजी मूक्त हो गए और भेड़ीया की योनि में इसलिए आए क्योंकि जब उनकी मौत का समय था तब उन्हें बगल में बन रहे मांस की गंध को सुंघा और उन्हें खाने की इक्छा जागी और उसी इक्छा के क्रम में दम तोड़ दि अतः मौत के समय मनुष्य की जो इक्छा रहती है फिर वो उसी योनि में जन्म लेता है और फिर भोजन किया और जाते समय गुरुनानक देव ने उन्हें एक सुई दिया और कहा मैं जाने के बाद ऊपर ले लूंगा और सेठ ने पत्नी को बताया की सुई दि है और कहते हैं उपर ले लूंगा लेकिन फिर उसे शंका हुई और गुरुनानक जी से कहा मैं तो उपर कुछ लेकर नहीं जा सकता फिर ऐ कैसे लेकर जा सकता हूँ उन्होंने कहा तुमने गलत तरीके से पैसा कमाया है और दिन भर नोट गिनते रहते हो पूरा जीवन इसी में निकल जायेगा और अंत समय में कुछ नहीं जायेगा ऐ बात समझ आना जरुरी था इसलिए गलत तरीके से कमाया हुआ धन तुम्हे हमेशा अगले जन्म में कांटा चुभते रहेगा तभी उसे ऐ बात समझ आ गई और गुरुनानक देव जी का वचन सुन कर सब कुछ दान कर दिया और तब शांति से रहने लगा और सत्य को पहचाना,जब गुरूनानक देव जी का अंतिम समय आ रहा था तो अगला गुरु बनने के लिए उनके पुत्र ने यह सोचा भी नहीं था की दोनों में से किसी को नहीं मिलेगी और उस समय उन्होंने गुरू अंगद देव जी को चुना तभी उनकी धर्म पत्नी ने अपने पुत्रों को लेकर कहा अपने पुत्रों में क्या कमी है।

उन्होंने कहा इससे परिवारवाद के रूप में लोग जानेंगे और दूसरा अपने पुत्र से ज्यादा सक्षम है गुरू गद्दी के लिए और उन्होंने एक गठरी रख दि और कहा जो इसे उठा लेगा वही गुरू गद्दी के लायक है लेकिन अपने दोनों पुत्र से नहीं उठ सका और केवल अंगद जी ही उठा कर सर पर लेकर चले गए इस कथा को भगवान श्री राम से सिता माता के स्वयंबर से जोड़ कर देखते हैं इस प्रकार अपने भगवान राम ने सिता माँ को पत्नी बनाने के लिए उस धनुष को उठा लिया था अतः भगवान राम सर्वशक्तिमान हैं गुरूनानक देव जी हमेशा राम नाम जपा करते थे कई बार उसका उल्लेख गुरू ग्रन्थ साहिब में मिलता है कहा जाता है कि गुरुनानक देव के अंतिम समय में भगवान राम खुद उनसे मिलने आए थे साधु के रुप में उन्हें जाने हेतु लेने आए थे और इसतरह गुरुनानक देवजी अंततः समाधि में लीन होकर ज्योतिपुंज में समा गए लेकिन उनके जाने के बाद उनके दाह संस्कार पर हिन्दू मुस्लिम दोनों अपने पक्ष के अपने अपने दावे थे बाद में देखा तो चादर में लिपटे गुरुनानक देव जी का शरीर फूल बन गया अतः आधा आधा बाँटकर दोनों ने अपने धर्म के अनुसार क्रिया क्रम किया जो आज भी करतारपुर में मौजूद है अतः बाद में जैसे जैसे भारत में मुग़ल शासको का अत्याचार बढ़ता गया वैसे वैसे इधर गुरुनानक देवजी के सभी गुरू के नेतृत्व में जगह जगह ज्ञान का प्रचार चल रहा था और लंगर की अच्छी व्यवस्था थी लेकिन बाद में जब सिखों के 5वें गुरु अर्जन देव हुए तो से जहांगीर तब दुश्मनी मानने लगा, जब वह बादशाह बना। गुरु की अगुवाई में सिख धर्म का तेजी से प्रचार-प्रसार हो रहा ऐ सब देखकर देखकर लगा इस्लाम धर्म की नींव हिल रही हैं और जहांगीर ने उसे कठोर यातना देकर मार डाला और वो शहीद हुए उसके बाद धर्म को लेकर दोनों गुटों में विवाद बढ़ते गए और जो गुरू के सच्चे भक्त थे उन्होंने शहीद होना स्वीकार किया लेकिन इस्लाम धर्म कबूल नहीं किया और इस प्रकार सिखों के अंतिम गुरू गोविन्द सिंह जी ने मुग़ल शासको से लोहा लिया और उनका सारा परिवार शहीद हो गया।

लेकिन मुगलों के खिलाफ औरंगजेब से कई युद्ध किये और सब में विजय हुए चमकौर में तो उन्होंने मात्र चालीस सिखों से वजीर खान के लाखों सैनिकों से लड़ाई लड़ी जो आनंदपुर साहिब को चारों ओर से घेर लिया था और अंततः उनके दोनों पुत्र भी शहीद हो गए और अंत में पंच प्यारे के वचन के अनुसार वहाँ से वजीर खान की सेना को ललकारते हुए चले गए और युद्ध में सभी 40 सिख शहीद हुए और वजीर खान की सेना को सिखस्त मिली और ऐ युद्ध खत्म हुआ लेकिन गुरुगोविन्द सिंह जी को पकड़पाने में नाकाम हुए अतः भगवान राम के समय भगवान राम के प्रति जनता में विश्वास था और भगवान राम उस समय अयोध्या की गद्दी पर थे अतः उनके तेज से राम राज्य में खुशहाली थी लेकिन जैसा की बाद में लोगों में आपस में जात पात धर्म को लेकर लड़ाई हुई उससे राम राज्य कैसे आएगा ऐ तभी होगा जब जनता भगवान राम के विचार को अमल करेंगे और प्रशासन को भी अपनी मर्यादा का पालन करना होगा। राम राज्य हेतु आवश्यकता है खुद को बदलना तभी ऐ संभव होगा।

कविता

अशोक पटेल आशु
तुस्मा,शिवरीनारायण
(छ. ग.)

जय माता शेरावाली

माँ से बढ़कर कोई रिश्ता नही
माँ के जैसा कोई फरिश्ता नही
माँ का मिल जाए जिसको सहारा
इससे बढ़कर कोई करिश्मा नही।

हर कोई यहाँ पर जन्नत ढूंढता है
कोई मंदिर मस्जिद में भटकता है
माँ को भला क्यूं लोग भूल जाते हैं
माँ में ही तो सारा जहाँ मिलता है।

कोई कितना भी परेशां क्यों न हो
किसी की लाख बद्दुआ क्यों न हो
अगर मिल जाए माँ का वह साथ
खुदा साथ हैं गर नाराज क्यों न हो।

माँ से दूर हो के कोई सलामत नही
माँ की सेवा से बड़ी कोई इबादत नही
इसकी गोद में है जन्नत की खुशियाँ
इससे बढ़कर कहीं भी हिफाजत नही

सुविचार

सावधान! सोचना एक दंडनीय अपराध है...

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा
उरतृप्त

इन दिनों यमलोक के हेडक्वार्टर में जो अफरा-तफरी मची है, वैसी तो देवासुर संग्राम के टाइम पर भी नहीं मची थी। यमराज अपने सिंहासन पर बैठे-बैठे दिन में चार बार बीपी की गोली खा रहे हैं और चित्रगुप्त का हाल तो पूछिए ही मत। उनके सुपर-कंप्यूटर, जिसका नाम कर्म-प्रोसेसर 9000 है, बार-बार हैंग हो रहा है। वजह? आर्यावर्त से आने वाला डेटा। वहाँ के इलेक्शन कमीशन के डेटा से तो उनका पहले ही छत्तीस का आँकड़ा था,अब वहाँ की पुलिस की एफआईआर ने तो उनके पूरे सिस्टम का सत्यानाश कर दिया है। चित्रगुप्त जी अपने असिस्टेंट्स पर चिल्ला रहे थे, व्हाट इज़ दिस नॉनसेंस? हमारा बही-खाता कहता है कि आत्मा की एक्सपायरी डेट आ गई है, और आर्यावर्त का पुलिस-डेटा कहता है कि सब्जेक्ट इज़ ऑलरेडी इन आवर कस्टडी। मतलब, हम आत्मा लेने जाएँ या ज़मानत कराने? मामला इतना कॉम्प्लिकेटेड हो गया है कि यमलोक की लीगल टीम ने इस्तीफ़ा देने की धमकी दे दी है, कह रहे हैं कि आर्यावर्त के कानून समझना उनके बस की बात नहीं। यह पहले आप-पहले आप का ऐसा खेल है जिसमें आत्मा बेचारी बीच में ही लटकी हुई है। यमदूत कह रहे हैं, पुलिसवाले साहब, आप छोड़िए तो हम ले जाएँ, और पुलिसवाले कह रहे हैं, पहले इनकी धाराएँ तो पूरी होने दो, फिर जहाँ ले जाना है ले जाना। इसी घनघोर कन्फ्यूज़न के बीच एक नई फाइल यमराज की मेज पर धड़ाम से आकर गिरी। फाइल का कवर लैमिनेटेड था और उस पर लाल स्याही से लिखा था- केस नंबर 786-फुंसुक वांगडु - अर्जेंट बट सुपर कन्फ्यूजिंग। यमराज ने फाइल खोली और पहले पन्ने पर लिखी चार्जशीट पढ़कर उनका सिर चकरा गया। उन्होंने चश्मा उतारकर चित्रगुप्त से पूछा, चित्रगुप्त, ये वांगडु कौन है? और इस पर ये कैसे-कैसे इल्ज़ाम लगे हैं? ज्ञान फैलाने की साजिश, रट्टा-मार शिक्षा प्रणाली के खिलाफ देशद्रोह, नवाचार के माध्यम से युवाओं को गुमराह करना...ये सब क्या है? हमने तो आज तक हत्या,लूट,भ्रष्टाचार जैसे केस ही हैंडल किए हैं। ये काबिल बनो,कामयाब नहीं वाला कौन-सा नया अपराध आईपीसी में जुड़ गया है? चित्रगुप्त ने एक लंबी साँस ली, जो आधी चिंता और आधी बेबसी से भरी थी। प्रभु,यही तो प्रॉब्लम है। यह केस हमारे स्कोप ऑफ वर्क से बाहर का लगता है। आर्यावर्त का सिस्टम अब उन चीज़ों के लिए लोगों को उठा रहा है, जिन्हें हम सदियों से सदुण मानते आए हैं। वो उसे गिरफ्तार कर ले गए हैं प्रभु। हमारा एक यमदूत उसे लेने गया था पर पुलिस स्टेशन के बाहर ही उसे रोक दिया गया। कह रहे थे, अभी इन्वेस्टिगेशन चल रही है, डिस्टर्ब मत करो।

यमराज ने अपने सबसे अनुभवी और स्ट्रीट-स्मार्ट यमदूत, जिसका कोडनेम यम-007 था, को तलब किया। यम-007 लंदन और न्यूयॉर्क जैसे शहरों से आत्माएँ लाने में स्पेशलिस्ट था और उसकी हिंग्लिश पर पकड़ बहुत मज़बूत थी। उसने आकर यमराज को सैल्यूट मारा और बोला, सर, सीन बहुत मेस्ड-अप है। मैं गया था वांगडु जी को लाने। बट, लाइक, वहाँ का सिस्टम तो टोटली डिफरेंट बॉलगेम है। मैंने पुलिसवाले से कहा, ड्यूड, इनका टाइम-अप हो गया है, लेट मी डू माई जॉब। तो वो हँसकर बोला, टाइम-अप नहीं, लॉक-अप हुआ है। और जॉब तो हम कर रहे हैं। इन्होंने देश के एजुकेशनल सिस्टम की स्टेबिलिटी को थ्रेटन किया है। मैंने पूछा,कैसे? तो उसने बताया कि ये महाशय स्टूडेंट्स को सिखा रहे हैं कि डिग्री से ज़्यादा नॉलेज इंपॉर्टेंट है। सर, आप सोच सकते हैं? अगर सब नॉलेज के पीछे भागेंगे तो फिर कोचिंग सेंटर्स और प्राइवेट कॉलेजों का क्या होगा? इकॉनमी पर कितना बुरा असर पड़ेगा! यह तो इकोनॉमिक टेररिज़्म हुआ न सर! यम-007 ने अपनी रिपोर्ट में यह भी बताया कि वांगडु पर एक इल्ज़ाम यह भी है कि उसने अपनी बातों से लाखों युवाओं की सरकारी नौकरी पाने की पवित्र इच्छा को कमज़ोर किया है,जो कि राष्ट्र की प्रगति के लिए बहुत बड़ा ख़तरा है। चित्रगुप्त ने अपनी टैबलेट पर कुछ स्वाइप करते हुए यमराज को ब्रीफ करना शुरू किया। प्रभु, मामला सिर्फ एजुकेशनल रिफॉर्म का नहीं है। इट इज़ मोर पॉलिटिकल। ये वांगडु पिछले कुछ समय से लद्दाख में माइनस डिग्री टेम्परेचर में अनशन पर बैठा था। हालाँकि,आर्यावर्त की मीडिया उसे अनशन नहीं, विंटर वेकेशन में आउटडोर कैम्पिंग बता रही थी। उसकी डिमांड थी कि लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में डाला जाए। अब आप पूछेंगे कि ये छठी अनुसूची क्या बला है? प्रभु,सिंपल वर्ड्स में कहूँ तो यह एक तरह का सिस्टम अपडेट है, जिससे वहाँ के लोकल लोगों को अपने एनवायरनमेंट और कल्चर को प्रोटेक्ट करने के लिए स्पेशल एडमिन राइट्स मिल जाते। लेकिन सेंट्रल सर्वर,यानी दिल्ली,इस अपडेट को पेंडिंग में डाले हुए है। उनका कहना है कि अभी सिस्टम पर लोड ज़्यादा है,बाद में देखेंगे। बस, इसी बात पर वांगडु ने कहा कि जब तक अपडेट नहीं होता, मैं खाना नहीं खाऊँगा। और प्रभु,उसने एक-दो दिन नहीं,पूरे इक्कीस दिन तक अन्न का एक दाना नहीं छुआ। उसने अपनी भूख को ही अपना हथियार बना लिया। यह तो हमारे डिपार्टमेंट के लिए भी एक चैलेंज है प्रभु। जो आदमी अपनी मर्ज़ी से इक्कीस दिन भूखा रह सकता है,उसे हम अपनी मर्ज़ी से कैसे ले जा सकते हैं? इस पर यमराज और ज़्यादा कंफ्यूज हो गए। तो उसे इस अनशन के लिए गिरफ्तार किया गया? चित्रगुप्त ने सिर हिलाया, नहीं प्रभु, यहीं तो आर्यावर्त की महानता है। उसे अनशन के लिए नहीं, बल्कि अनशन खत्म होने के बाद गिरफ्तार किया गया। एफआईआर में लिखा है-अनशन के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आर्यावर्त की छवि को धूमिल करने का प्रयास। एक और चार्ज है- पर्यावरण संरक्षण की आड़ में विकास-विरोधी एजेंडा चलाना। मतलब, प्रभु, वहाँ का सिस्टम कह रहा है कि पहाड़, नदी, ग्लेशियर बचाना इज़ एंटी-डेवलपमेंट। डेवलपमेंट का मतलब है हर पहाड़ पर एक होटल और हर नदी पर एक मॉल। वांगडु इस फिलॉसफी के अगेंस्ट जा रहा था। उसने अपने प्रोटेस्ट के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया,जो कि आजकल सबसे बड़ा साइबर-क्राइम माना जाता है, बशर्ते आप सरकार के फेवर में न लिख रहे हों।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने किया सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केट प्लेस का शुभारंभ

विश्व पर्यटन दिवस पर छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास को नई दिशा,आईआरसीटीसी व फिक्की संग हुए दो महत्वपूर्ण समझौते

-संवाददाता-
अंबिकापुर,28 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड और छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में हॉस्पिटैलिटी पार्टनर माइरा रिसॉर्ट कन्वेंशन सेंटर रायपुर में सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केट प्लेस का सफल आयोजन हुआ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए राज्य की सांस्कृतिक विरासत,पर्यटन संभावनाओं व योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की नई वेबसाइट का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मुख्य अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री विवेक आचार्य एवं छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री जसप्रीत भाटिया और टूरिज्म इंडिया एलायंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगदीप भगत मंच पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर पर्यटन विकास को गति देने के लिए दो महत्वपूर्ण समझौते किए गए। पहला समझौता छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड एवं आईआरसीटीसी के मध्य मुख्यमंत्री जन पर्यटन योजना टूर प्रारंभ करने के लिए किया गया। दूसरा समझौता छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड एवं फिक्की के बीच राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रोड शो तथा छत्तीसगढ़ ट्रैवल मार्ट आयोजन हेतु किया गया। कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने पर्यटन क्षेत्र में योगदान देने वाले स्टेकहोल्डर्स को सम्मानित किया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा पूर्व में कनेक्ट मार्केट प्लेस के पहले संस्करण में घोषित पर्यटन पुरस्कार योजना के अंतर्गत इस वर्ष 10 श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें होटल श्रेष्ठा को सर्वश्रेष्ठ होटल, रितेश मुंद्रा को सर्वश्रेष्ठ टूर ऑपरेटर, दन्तेवाड़ा को सर्वश्रेष्ठ जिला टूरिज्म प्रमोशन अवार्ड, जीत सिंह आर्या को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्टार्टअप, दण्डामी लग्जरी रिसॉर्ट को सीटीबी स्टार परफॉर्मर (सर्वश्रेष्ठ रिसॉर्ट),टी.आई.सी. एयरपोर्ट रायपुर को सीटीबी स्टार परफॉर्मर (पर्यटक सूचना केंद्र), भोरमदेव जंगल रिट्रीट को सर्वश्रेष्ठ होमस्टे, आकाश साहू (आकाश का सफर) को सर्वश्रेष्ठ सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर, गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले को सर्वश्रेष्ठ इको टूरिज्म साइट तथा 36 मोन्टाने एडवेंचर कैंपिंग के खेमलाल साहू को सर्वश्रेष्ठ एडवेंचर टूरिज्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पर्यटन व्यवसाय के अवसरों को बढ़ावा देना, नए नेटवर्किंग प्लेटफ़ॉर्म उपलब्ध कराना और राज्य के पर्यटन क्षेत्र को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ बिजनेस टू बिजनेस मार्केटप्लेस और नेटवर्किंग सत्र से हुआ, जिसमें विभिन्न राज्यों से आए टूर ऑपरेटर्स एवं प्रतिनिधियों ने अपना प्रजेन्टेशन दिया साथ ही अंतर्राष्ट्रीय डेस्टिनेशन पार्टनर संस्था फॉर एवर जर्नी दुबई तथा वेन्यू पार्टनर माइरा रिसॉर्ट एवं कन्वेंशन सेंटर रायपुर के प्रतिनिधियों ने भी अपना प्रजेन्टेशन दिया गया। इस दौरान पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव ने राज्य की पर्यटन नीतियों एवं अवसरों पर विस्तृत जानकारी दी। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा ने अपने उद्बोधन में आगामी आयोजनों और रोडमैप की जानकारी साझा की।

छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री जसप्रीत भाटिया ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया एवं कार्यक्रम का समापन उद्बोधन छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री विवेक आचार्य ने दिया। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। यह महत्वपूर्ण आयोजन न केवल छत्तीसगढ़ के पर्यटन क्षेत्र को नया आयाम देने का कार्य करेगा बल्कि राज्य को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और अधिक सशक्त रूप से स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

नवरात्र पर्व पर चैतन्य देवियों की झांकी देखने उमड़े श्रद्धालुओं की भीड़

-संवाददाता-
अंबिकापुर,28 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय अंबिकापुर द्वारा आयोजित चैतन्य देवियों की छठवें दिन भव्य झांकी के शुभारंभ में जिला अध्यक्ष भाजपा - भारत सिंह सिंसोदिया,होमगार्ड जिला कमांडेंट-शिव कुमार कठौतिया,सी ईओ बलरामपुर-नैनतारा,संचालक विवेकानंद स्कूल-स्वामी तन्मयानंद,शारदा अग्रवाल, सिद्धार्थ अग्रवाल एवं ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। द्वीप प्रज्वलन के पश्चात माननीय भारत सिंह सिंसोदिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए चैतन्य देवी की झांकी को अध्यात्म का संतुलन,योग एवं अनेक प्रकार के धैर्यता का प्रतीक बताया। इनसे हम आत्मिक बल भर अपने लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं। शिव कुमार कठौतिया ने चैतन्य देवियों की झांकी की सराहना करते हुए सभी को नवरात्रि की बधाई दी। मंगल पांडे द्वारा झांकी दर्शन के दौरान कहा कि शिव के स्वरूप आदि शक्ति मां दुर्गा के नौ रूपों को अनुभव व महसूसता के साथ दर्शन करते हैं। तन्मयानंद जी ने भी सभी को नवरात्रि की बधाई दी। अंत में चैतन्य देवियों के झांकी का उद्देश्य बताते हुए ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने नवरात्रि के इस छठवें दिन पर कहा कि यह चैतन्य देवियां संदेश देती है कि निरंतर राजयोग के अभ्यास द्वारा हम एकाग्रता शक्ति को प्राप्त कर हम अपने अंदर के दैवीय शक्ति को जागृत कर दैवीय स्वरूप को प्राप्त कर सकते हैं। शहर तथा आसपास के हजारों लोगों ने चैतन्य भव्य झांकी के दर्शन किए। झांकी देखने के लिए दिन -प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती जा रही है।

शादीशुदा युवक अपने को अविवाहित बताकर 2022 से छलपूर्वक महिला के साथ करता रहा दैहिक शोषण

-संवाददाता-
बलरामपुर,28 सितम्बर 2025
(घटती घटना)।

मामले के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बलरामपुर कोतवाली पुलिस ने महिला से शादी छलपूर्वक शादी करने का स्वांग रचकर 2022 से दैहिक शोषण करने वाले बलात्कारी को गिरफ्तार कर भेजा सलाखों के अंदर। दिनांक 27/09/2025 को थाना बलरामपुर क्षेत्रांतर्गत निवासरत महिला के द्वारा लिखित आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज करवायी कि आरोपी राजेश कुमार टंडन पिता राम किशुन टंडन उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम सुंदरकेरा थाना अभनपुर जिला रायपुर के द्वारा स्वयं को अविवाहित बताकर पीड़िता को विश्वास दिलाने के लिए मंदिर में उसके मांग में सिंदूर भरकर व जयमाला पहनाकर शादी करने का प्रपंच कर दिसंबर 2022 से मार्च 2025 तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाकर कई बार बलात्कार किया गया है। पीड़िता के रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध थाना बलरामपुर में अपराध क्रमांक 133/2025 धा 64(2)(द्ध) 64(2)(द्व),296 352(3), 115(2) क्र पंजीबद्ध कर विवेचना लिया गया। प्रकरण व विवेचना के दौरान आरो राजेश कुमार टंडन व विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य प जाने पर आरोपी राजे कुमार टंडन को रायपुर अभिरक्षा में लेकर था बलरामपुर लाया ग जहाँ आवश्यक विवेच कार्यवाही पूर्ण कर विधि गिरफ्तार किया गया ए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जि जेल रामानुजगंज भेजी जा रही है।

कलयुगी बेटों ने की हैवानियत

एक ने पिता की गमछा से गला घोंटा दूसरे ने पत्नी को टांगी से मार डाला

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिले में रिश्तों को शर्मसार करने वाली दो दर्दनाक घटनाएँ सामने आई हैं। कोतवाली थाना क्षेत्र के पसला और लाछा गांव में अलग-अलग मामलों में कलयुगी बेटे ने पिता की हत्या कर दी तो वहीं शराबी पति ने पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। दोनों ही घटनाओं से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पहली घटना पसला गांव की है,जहाँ मृतक दसरू सिंह अपने बेटे राम सिंह व नातिन के साथ रहते थे। बताया जा रहा है कि मृतक रोज शराब पीकर गाली-गलौज करता था। इसी बात से तंग आकर शनिवार देर रात विवाद के दौरान बेटे राम सिंह ने गमछा से गला घोंटकर पिता की हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुँचकर मामला दर्ज कर लिया और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। दूसरी घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के लाछा गांव की है। यहाँ रहने वाले आरोपी केवल सिंह और उसकी पत्नी रानिया के बीच भी आए दिन विवाद होता था। दोनों शराब के आदी थे। बीती रात शराब पीने के बाद फिर विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में केवल सिंह ने पास रखी टांगी की बेंत से पत्नी रानिया के सिर और पेट पर वार कर दिया। इसके बाद वह सो गया। सुबह उठने पर जब पत्नी को मृत देखा तो घबराया। सूचना पर पहुँची पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त टांगी जब्त कर ली है। दोनों मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। इन घटनाओं ने एक बार फिर दिखा दिया है कि नशे और पारिवारिक विवादों का अंजाम कितना खौफनाक हो सकता है।

आज की परिस्थितियों में नौजवान पीढ़ी को अवश्य पढना चाहिए भगत सिंह की जीवनी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,28 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

शहीदे आजम भगतसिंह की 118 वीं जयंती पर रविवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर राष्ट्र के प्रति उनके योगदान पर चर्चा की गई। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि भगत सिंह का पूरा परिवार देश की स्वतंत्रता के लिए चल रहे आंदोलन से जुड़ा हुआ था। जिस दिन सरदार भगत सिंह का जन्म हुआ था उसी दिन आंदोलन के कारण जेल में बंद उनके पिता सरदार किशन सिंह और सरदार अजीत सिंह की रिहाई हुई थी। मात्र 13 वर्ष की आयु में भगतसिंह क्रांतिकारी आंदोलन से जुड़ गए थे और 23 वर्ष की अल्पायु में फांसी के फंदे को चूमते हुए शहीद हो गये। उन्होंने कहा कि आज की परिस्थितियों में नौजवान पीढ़ी को भगत सिंह को अवश्य पढना चाहिए। भगत सिंह ने नौजवानों को बढ़ते पाखंडवाद, अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियों से दूर रहते हुए वैज्ञानिक शिक्षा अपनाने की सलाह दी थी। आज कमोबेश ऐसी परिस्थितियों को देश मे थोपा जा रहा है। मौजूदा परिस्थितियों की चर्चा करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष श्री जे पी श्रीवास्तव ने कहा कि भगत सिंह जो कि क्रांति के प्रतीक हैं ने ब्रिटिश शासन को भगाने के लिये एक क्रांति की थी, आज फिर एक क्रांति की आवश्यकता है। देश के संविधान के साथ खिलवाड़ हो रहा है, चुनाव जीतने के लिये संवैधानिक संस्थाओं को बंधक बना लिया गया है, धर्म और जाति के नाम पर देश को खंड खंड में बांट दिया गया है। इसे सुधारने के लिए एक नये क्रांति की आवश्यकता है। सभा को संबोधित करते हुए निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने कहा कि शहीदे आजम भगत सिंह के विचार समाज मे आर्थिक और सामाजिक बराबरी की स्थापना के रहे हैं। मौजूदा सरकार एक प्रतीक के रूप में उनको अपनाने का दिखावा तो करती है लेकिन उनके विचारों के उलट काम कर रही है। आज देश मे 80 करोड़ लोग सरकारी राशन के भरोसे जीवन व्यतीत कर रहे हैं वहीं यह सरकार देश के सभी संसाधनों को अपने मित्र पूंजीपतियों को सौंपती जा रही है। हमारी धार्मिक आस्था का केंद्र रामगढ पर्वत और हसदेव के जंगल इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा ने उन्हें क्रांति का देवता बतलाते हुआ कहा कि राष्ट्र के प्रति जो जज्बा भगत सिंह में थी, बेहद कम उम्र में समाज को लेकर उनके जो क्रांतिकारी विचार थे वो उनके व्यक्तित्व को दैवीय रूप प्रदान करते हैं। सभा का संचालन सेवादल के जिलाध्यक्ष लोकेश पासवान ने किया जबकि आभार प्रदर्शन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अम्बिकापुर के अध्यक्ष हेमंत सिन्हा ने किया। इस दौरान मो इस्लाम, रामविनय सिंह,इंद्रजीत सिंह धंजल, दुर्गेश गुप्ता, अनिल सिंह, अतुल तिवारी,जेनेबिब कुजूर, लुकस एक्का, अनूप मेहता, जमील खान, नरेंद्र विश्वकर्मा, अमित तिवारी राजा,चंद्रप्रकाश सिंह, रजनीश सिंह, निकी खान सोहन जायसवाल, जीवन यादव, प्रमोद चौधरी, सचिन जायसवाल, अमितेज सिंह,रूबी जैन, अली सोहेल, विनोद कुमार सिंह, विजय बेक, अमित मिंज, बालकेश्वर तिर्की, नूतन एक्का, जमशेर खान, वीरेंद्र सिन्हा आदि मौजूद थे।

उत्साहपूर्वक सुना गया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का 126वां संस्करण

-संवाददाता-
लखनपुर,28 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रसारित मन की बात कार्यक्रम के 126 वें संस्करण का सीधा प्रसारण रविवार को पूरे देश के साथ-साथ लखनपुर मंडल में भी उत्साह और गरिमा के साथ सुना गया। मंत्री निवास में इस कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित होकर प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी विचारों से लाभान्वित हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कार्यक्रम की शुरुआत भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर की मधुर और अमर आवाज के साथ की,जिसने पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया। उन्होंने आगामी शारदीय नवरात्रि और छठ पूजा जैसे सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पर्वों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए देशवासियों को शुभकामनाएँ दीं। आर्थिक आत्मनिर्भरता पर बल देते हुए प्रधानमंत्री जी ने पुनः वोकल फॉर लोकल अभियान की महत्ता समझाई और सभी नागरिकों से स्थानीय उत्पादों को अपनाने व प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। उन्होंने जीएसटी उत्सव की जानकारी साझा की और कहा कि यह देश की आर्थिक मजबूती का प्रतीक है। साथ ही उन्होंने आगामी 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु खादी वस्त्रों की खरीदारी करने की अपील की। मंडल लखनपुर के सभी 50 पोलिंग बूथों में भी मन की बात का श्रवण किया।

नियमित टीके बच्चों के बेहतर भविष्य और माताओं की सुरक्षा के लिए आवश्यक

-संवाददाता-
अंबिकापुर,28 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंह देव चिकित्सा महाविद्यालय के स्त्री रोग विभाग में एक दिवसीय इम्युनाइजेशन और टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों को विभिन्न टीकों से प्रतिरक्षित किया गया,जिससे उन्हें कई संक्रामक रोगों से बचाव मिल सके। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाशी कुजूर की उपस्थिति रही, जबकि प्रोग्राम की संयोजक डॉ. सौमिला खेस्स रहीं। चिकित्सा स्टाफ और नर्सिंग टीम ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया। बड़ी संख्या में महिलाओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर स्वास्थ्य के प्रति अपनी जागरुकता दर्शाई। इस अवसर पर विशेषज्ञों ने टीकाकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित टीके बच्चों के बेहतर भविष्य और माताओं की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। ऐसे आयोजन न सिर्फ बीमारियों की रोकथाम में सहायक होते हैं, बल्कि समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति चेतना भी जागृत करते हैं। आयोजन को सफल बनाने में अस्पताल प्रशासन और मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

छात्रों की पिटाई का मामला गरमाया अभिभावकों ने किया थाने का घेराव

-संवाददाता-
लखनपुर,28 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्वामी आत्मानंद स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों के बीच विवाद ने गंभीर रूप ले लिया है। घटना दिनांक 26 सितंबर की है। जानकारी के अनुसार,स्कूल से घर जा रहे एक विशेष समुदाय के 12वीं कक्षा के छात्रों का रास्ता रोककर उसी स्कूल के 10 वीं कक्षा के छात्र ने अपने साथियों के बुलाकर पिटाई कर दी। सूत्रों के मुताबिक,10वीं कक्षा के एक छात्र ने अपने समुदाय के अन्य साथियों को साथ लेकर 12वीं के छात्रों की बेरहमी से पिटाई की। इस दौरान कथित तौर पर स्कूल में हीरो बनने की बात कहकर मारपीट की गई।

अभिभावकों का गुस्सा : घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित छात्रों के अभिभावक भड़क उठे। अभिभावक बड़ी संख्या में थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए थाने का घेराव किया। उनका कहना था कि यदि इस तरह की घटनाओं पर तुरंत और सख्त कार्रवाई नहीं की गई है।

पुलिस की कार्रवाई : लोगों के विरोध और दबाव को देखते हुए पुलिस ने मामले में त्वरित संज्ञान लिया। पुलिस ने 10वी के छात्र सहित चार सहयोगी के आरोपी बनया और उनके खिलाफ अपराध दर्ज किया है। प्रकरण में धारा 296, 251(2), 3(5) BNS के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आगे की विवेचना शुरू कर दी गई है।

ट्राइबल टाइगर अंबिकापुर ने रोमांचक मुकाबले में रेलवे करंजी को हराकर फाइनल में बनाई जगह

-संवाददाता-
अंबिकापुर,28 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

गांधी स्टेडियम में रविवार को संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल ट्राइबल टाइगर अंबिकापुर और रेलवे करंजी के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने शुरुआत से ही एक-दूसरे के गोल पोस्ट पर आक्रमण किए। मैच का पहला हाफ रेलवे करंजी के पक्ष में रहा,जिसमें उन्होंने एक गोल कर 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में ट्राइबल टाइगर की टीम ने जोरदार वापसी करते हुए अंतिम क्षणों में शानदार गोल कर मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। मैच को देखने स्टेडियम में बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे थे,जिससे माहौल जोशपूर्ण बना रहा। निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहने के कारण निर्णय पेनल्टी शूटआउट से किया गया, जिसमें ट्राइबल टाइगर अंबिकापुर ने 4-2 से जीत हासिल कर प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस मुकाबले के मुख्य अतिथि के रूप में जिला फुटबॉल संघ के संरक्षक रविंद्र तिवारी, जगजीत मिंज,छोटू थॉमस, जगदीश दुबे, उपेंद्र गुप्ता, जितेंद्र अग्रहरि,संदीप तिर्की और मयूर होटल के संचालक उपस्थित रहे। मैच के निर्णायक दिनेश तिर्की, आयुष अंकुश, अनुप्रास कमलेश, अखिलानंद और दीपक कुजूर थे। प्रतियोगिता का फाइनल 30 सितंबर को दोपहर 3 बजे खेला जाएगा। वहीं, दूसरा सेमीफाइनल सोमवार को सरगुजा-11 और फाइटर क्लब मेंड्राखुर्द के बीच होगा।

सांस्कृतिक गतिविधियां एवं इन्डोर खेलों का हुआ आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,28 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सेवा पखवाड़ा अंतर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा रविवार को आस्था निकुंज वृद्धाश्रम परिसर अम्बिकापुर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसके साथ ही सांस्कृतिक गतिविधियां एवं इन्डोर खेलों का भी आयोजित किए गए। कार्यकम में नगर पालिक निगम अम्बिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजन हमारे परिवार हैं, समाज के मार्गदर्शक एवं पुरोधा हैं। वरिष्ठ जन परिवार, समाज एवं राष्ट्र के धुरी हैं। उन्होंने वृद्धजनों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वरिष्ठ जनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, साथ ही आयुष्मान कार्ड बनाया गया । इस दौरान उप संचालक समाज कल्याण विभाग श्री व्ही. के. उके द्वारा शासन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों हेतु संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित वृद्धजनों को वस्त्र प्रदान किए गए। वहीं जरूरतमंदों को सहायक उपकरण जैसे 40 नग छड़ी, 01 नग व्हील चेयर, 04 जोड़ी वैसाखी वितरित किए गए।

CMYK

शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव शासकीय महाविद्यालय आखिर किस खसरा नंबर की भूमि पर है स्थापित ?

क्या प्रशासन ने पुलिस कार्यालय को जमीन आबंटित करते समय आबंटित की जा रही जमीन का सीमांकन कराया?

- क्या महाविद्यालय से अनापत्ति लेना जिला प्रशासन के लिए जरूरी नहीं था?
- जिला प्रशासन जैसा चाहेगी वैसा करेगी और नेता मूकदर्शक बने रहेंगे?

जिला शिक्षा अधिकारी का खुद का कार्यालय महाविद्यालय की जमीन पर है और पुलिस अधीक्षक कार्यालय के जमीन के लिए दे रहे हैं अनापत्ति?

-न्यूज डेस्क-

कोरिया,28 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिला प्रशासन कोरिया क्या अपनी तानाशाही चल रहा है जो उन्हें सही लगेगा वह कर लेंगे नियम कायदे कानून का वह पालन नहीं करेंगे? महाविद्यालय की जमीन पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण को लेकर कुछ ऐसा ही माना जा रहा है,क्या राजस्व विभाग ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय को भूमि आवंटित करने से पहले सारी जमीनों का सीमांकन कराया? जिस जमीन पर अभी पुलिस अधीक्षक कार्यालय बन रहा है उस जमीन के खसरा नंबर पर महाविद्यालय भी स्थापित है क्या यह बात राजस्व विभाग को नहीं पता? कंप्यूटर में बैठकर नक्शा देखकर यह नहीं पता कर पाए कि किस खसरा नंबर पर महाविद्यालय बना हुआ है,ऑनलाइन नक्शा को यदि अवलोकन किया जाए और वास्तविक जगह का अवलोकन किया जाए और सीमांकन कराया जाएगा तो जिस जमीन का आबंटन पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए किया गया है उस जमीन पर महाविद्यालय कार्यालय स्थापित निकल जाएगा? पर यह जहमत उठाएगा कौन? क्योंकि करने वाले भी राजस्व के रक्षक नहीं भक्षक हैं? क्योंकि उन्हें सिर्फ टेबल पर बैठकर जमीन बचाने की जिम्मेदारी है,जमीन पर कैसे खेल हो रहा है इस बात से शायद वह अनजान हैं यदि हम महाविद्यालय के खसरा नंबर 287, 288 और 289 का अवलोकन करें तो समझ में यह आता है कि 288 खसरा नंबर पर महाविद्यालय बना हुआ है वहीं जो 289 खसरा नंबर जिस पर महाविद्यालय का नाम दिख रहा है उस जमीन पर जिला शिक्षा अधिकारी अब पीछे से कब्जा कर रहे हैं,वह खुद भी उस महाविद्यालय की जमीन पर बैठे हैं और दूसरे को अनापत्ति बांट रहे हैं जो उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए जिला प्रशासन को प्रदान किया है? अब यह दावा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि भुइया के नक्शे में कुछ ऐसा ही दिख रहा है,वही वास्तविक स्थिति पर सीमांकन भी करें तो जानकारों का मानना है कि कुछ ऐसा ही निकलेगा, शासकीय जमीन पर कई निजी लोग भी काबिज हो गए हैं,तो वहीं शासकीय जमीन जिस पर कन्या महाविद्यालय बना हुआ है वह भी जमीन कन्या महाविद्यालय के नाम पर नहीं दिख रहा है, वही 287 और 286 खसरा नंबर की जमीन विवाद में है पर यदि इस जमीन का भी अवलोकन किया जाए तो तो यह जमीन स्वास्थ्य विभाग के नाम पर आज दिख रही है फिर भी जिस जमीन पर महाविद्यालय स्थापित है वह जमीन का खसरा नंबर 288 ही माना जाएगा यदि सीमांकन भी करेंगे तो उसी जमीन पर स्थापित महाविद्यालय मिलेगा।

जिस कार्यालय में जिला शिक्षा अधिकारी बैठ रहे हैं क्या वह कार्यालय महाविद्यालय की जमीन पर है?

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय महाविद्यालय परिसर से लगकर ही बना हुआ है,जमीन के भू अभिलेखों के अनुसार जिला शिक्षा विभाग या कार्यालय को जमीन आबंटित है ऐसा उल्लेख कहीं नजर नहीं आता है,क्या जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय भी महाविद्यालय की ही भूमि पर बना हुआ है स्थापित है? यदि ऐसा है तब कैसे जिला शिक्षा अधिकारी खुद अनापत्ति प्रदान कर रहे हैं जब वह खुद महाविद्यालय की जमीन पर ही काबिज हैं। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय भी काफी वर्षों पूर्व निर्मित है, यह जिला गठन के पूर्व से स्थापित कार्यालय है, आज तक वर्षों पूर्व निर्मित कार्यालय होने के बाद भी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को भूमि पर उसका अधिकार नामांतरण स्वरूप नहीं मिल पाया जो भू अभिलेख देखकर समझा जा सकता है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय महाविद्यालय परिसर से लगकर एक बड़े भूभाग पर स्थापित भी है।

जब एक बार पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए भूमि आबंटित हो गई थी तो फिर बिना निराकरण किए ही दूसरी जमीन आबंटित क्यों हुई?

जिस जमीन पर जिस खसरा नंबर पर रामानुज प्रताप सिंहदेव महाविद्यालय स्थापित है उस जमीन पर क्यों पुलिस अधीक्षक कार्यालय बन रहा है?

कोरिया जिला शिक्षा अधिकारी अपने विभाग के लिए जमीन नहीं बचाना चाहते उन्हें दूसरे विभाग की ज्यादा चिंता है?

क्या जिला शिक्षा अधिकारी को अपने विभाग के लिए जमीन की आवश्यकता नहीं है...क्या नालंदा परिसर वह अपनी किसी निजी जमीन पर बनाएंगे?

कोरिया जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने कार्यालय से एक अनापत्ति पत्र जारी किया है जिसमें उन्होंने महाविद्यालय परिसर से लगी उस जमीन के लिए अपनी अनापत्ति प्रदान की है जिस जमीन से लगकर ही जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बना हुआ है और जिस जमीन से लगकर ही पुलिस अधीक्षक का नवीन कार्यालय बनने जा रहा है,यह जमीन पहले आदर्श आवासीय विद्यालय के द्वारा उपयोग की जा रही थी और बाद में विद्यालय जब जमनीपारा में स्थापित किया गया तबसे महाविद्यालय ही संचालित था, जिले में नालंदा परिसर भी प्रस्तावित है,नालंदा परिसर के लिए भी जमीन की अवश्यक्ता होगी जो बड़े भूभाग स्वरूप में होगी, अच्छा होता नालंदा परिसर ही उस जमीन पर स्थापित किया जाता जहां आज पुलिस अधीक्षक का नया कार्यालय बन रहा है, नालंदा परिसर शिक्षा से जुड़ा एक संस्थान होगा,महाविद्यालय के करीब या परिसर में होने से इसका लाभ सही रूप में जिले के छात्रों को मिल सकता था वहीं अब नालंदा परिसर कहां बनेगा यह तय नहीं है और न ही शहर में ही अब कहीं ऐसी जमीन है जहां यह बनाया जा सके। वैसे जब पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए ही जमीन के लिए अनापत्ति नगर पालिका से मिलना मुश्किल हो गया था नालंदा के लिए अनापत्ति शहर में मिल सकेगा लगता नहीं है, वैसे जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी विषयों से अवगत होकर भी महाविद्यालय परिसर की भूमि में पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण के लिए अनापत्ति प्रदान कर दी, जिला शिक्षा अधिकारी ने इस समय दूरदर्शी होने का उदाहरण बिल्कुल प्रस्तुत नहीं किया,वह दूरदर्शी होते नालंदा के लिए वह महाविद्यालय परिसर को ही चुनते क्योंकि उसकी उपयोगिता महाविद्यालय परिसर में सार्थक साबित होती, वैसे अब अनापत्ति प्रदान कर महाविद्यालय परिसर की जमीन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी ने यह तय कर दिया कि वह नालंदा के लिए गंभीर नहीं हैं और यदि वह गंभीर हैं तो फिर वह शायद शहर के किसी अपने निजी जमीन पर नालंदा परिसर की स्थापना करने वाले हैं। यह प्रश्न इसलिए भी क्योंकि शहर में अन्य कहीं नालंदा के लिए पर्याप्त जमीन बिना किसी आपत्ति प्राप्त होगी लगता नहीं है।

जिला शिक्षा अधिकारी का कार्यालय और उसके बगल में महाविद्यालय और महाविद्यालय के बगल में नालंदा परिसर क्या नहीं बन सकता था?

जिले में नालंदा परिसर प्रस्तावित है,यह परिसर कहीं न कहीं शिक्षा और युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए बेहतर अवसर सुविधा प्रदान करने स्थापित किया जा रहा है जिसका लाभ जिले के युवाओं छात्रों को दिया जाना शासन की मंशा है,अब नालंदा के लिए महाविद्यालय परिसर से बेहतर कोई जगह क्या हो सकती थी? जिस परिसर में महाविद्यालय जहां ही जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्थापित है यदि वहीं नालंदा परिसर निर्मित हो जाता कितना बढ़िया होता, नालंदा परिसर का संचालन भी बेहतर होता और वहां की देखरेख भी व्यवस्थित तरीके से हो सकती थी यदि दूरदर्शिता दिखाई गई होती,वैसे नालंदा परिसर का महाविद्यालय परिसर में निर्माण युवाओं छात्रों लिए भी उपयोगी होता और उसकी प्रासंगिकता साबित हो सकती थी।

क्या राजनीतिक व प्रशासनिक जिद ने महाविद्यालय की जमीन को बाधित करने का किया प्रयास?

महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निर्माण कहीं से जायज या सही निर्णय नहीं माना जा रहा है,यह निर्णय हर हाल में एक जिद मानी जा रही है जो राजनीतिक भी है और प्रशासनिक भी है, सत्ता से जुड़े और प्रशासन से जुड़े लोगों ने आपस में तय किया और महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनाया जाना तत्काल तय हो गया, यह ध्यान किसी ने नहीं रखा कि युवाओं महाविद्यालय के अध्ययनरत छात्र छात्राओं की स्वतंत्रता इस कार्य से निर्णय से बाधित होगी, इस संदर्भ में महाविद्यालय प्रबंधन ने आपत्ति दर्ज भी की लेकिन वह आपत्ति अस्वीकार कर दी गई,कुल मिलाकर क्या एक जिद ने ही मात्र इस निर्णय को जो राजनीतिक और प्रशासनिक था के लिए काफी साबित हुआ। छात्रों का विरोध और जन विरोध धरा का धरा रह जाना तो यही साबित करता है कि सत्ता और प्रशासन ने जिद के आगे किसी भी आपत्ति विषय को स्वीकार नहीं किया और निर्णय पर वह अपने कायम रहे।

क्या कलेक्टर व जिला पंचायत सीईओ के बाद जिला शिक्षा अधिकारी अपने आप को सबसे बड़ा अधिकारी मान रहे है?

जिले में हालिया प्रशासनिक व्यवस्था तीन लोगों के इर्द गिर्द घूमती नजर आती है,कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ प्रमुख रूप से जहां जिले में किसी भी निर्णय की स्थिति उत्पन्न होने पर निर्णय ले रहे हैं वहीं जिला शिक्षा अधिकारी वह तीसरे अधिकारी नजर आ रहे हैं जो हर प्रशासनिक निर्णय में अग्रणी भूमिका में नजर आते हैं। महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनाया जाएगा मामले में कलेक्टर,सीईओ ने अपने निर्णय के समर्थन में जिला शिक्षा अधिकारी से भी अनापत्ति प्राप्त की और जिला शिक्षा अधिकारी ने अनापत्ति प्रदान भी की जबकि उनके कार्यालय की भूमि है जिस पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय बन रहा है यह निश्चित नहीं है,अब सवाल यह उठता है कि क्या कलेक्टर सीईओ जिला पंचायत के बाद जिला शिक्षा अधिकारी खुद को सबसे बड़ा अधिकारी जिले में मान कर चल रहे हैं?

क्या कलेक्टर व सीईओ को खुश करने में व्यस्त हैं जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया?

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा अनापत्ति दिया जाना अलग तरह का एक मामला है,यह अनापत्ति क्यों दी उन्होंने यह समझ से परे है,वैसे क्या वह कलेक्टर और सीईओ जिला पंचायत को खुश करने में व्यस्त हैं इसलिए वह ऐसा कुछ करना चाह रहे हैं जिससे उन्हें दोनों का समर्थन मिलता रहे?

ना पूर्व प्राचार्य को थी महाविद्यालय की जमीन की चिंता ना वर्तमान को ही है कोई फिक्र

कोरिया जिले के अग्रणी महाविद्यालय शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव महाविद्यालय के मामले में यह कहना गलत नहीं होगा कि इस महाविद्यालय के प्रबंधन की जिम्मेदारी सम्हालने वालों ने कभी महाविद्यालय के विस्तार के विषय में दूरदर्शी सोच नहीं रखी और न ही उन्होंने जिले के छात्रों के विषय में ही उन्होंने भविष्य की चिंता की,ऐसा पूर्व वर्तमान दोनों प्रभारी प्राचार्यों के लिए कहा जाना गलत नहीं होगा,पूर्व प्रभारी प्राचार्य 26 साल तक प्रभारी प्राचार्य बने रहे लेकिन उपलब्धियां उनके नाम भ्रष्टाचार की ही जुड़ सकीं कोई सार्थक उन्होंने कुछ साबित नहीं किया कभी,अब वर्तमान प्राचार्य का भी वही हाल नजर आ रहा है, महाविद्यालय की स्थापना को कई दशक हो गए और 26 सालों तक प्राचार्य रहे सेवानिवृत्त हो चुके जिला मुख्यालय के ही व्यक्ति ने महाविद्यालय जिस जमीन पर स्थापित संचालित है के विषय में कुछ नहीं सोचा और न ही उसके लिए राजस्व विभाग से ही संपर्क किया की जमीन महाविद्यालय के नाम हो सके। पूर्व प्राचार्य ने भ्रष्टाचार से समय निकालकर महाविद्यालय विस्तार के लिए विचार किया होता आज जिस जमीन पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनने जा रहा है वहां महाविद्यालय का विस्तार होता नजर आता वहीं वर्तमान प्राचार्य भी एक पत्र लिखकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते नजर आ रहे हैं जिसमें उन्होंने महाविद्यालय विस्तार को प्रभावित होने छात्रों की स्वतंत्रता बाधित होने का उल्लेख किया है,वर्तमान प्राचार्य यदि दृढ़ इक्षाशक्ति साबित करते महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण संभव नहीं था।

क्या महाविद्यालय के वर्तमान प्राचार्य महाविद्यालय की पूरी जमीन का सीमांकन करा पाएंगे?

महाविद्यालय की जमीन जब पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए आबंटित हुई तब महाविद्यालय प्रबंधन चीर निद्रा से जग पाया,उसने आपत्ति एक लिखित प्रशासन को भेजी लेकिन उसके बाद वह फिर चीर निद्रा में जाता नजर आ रहा है,बची जमीन का सीमांकन हो सके इस ओर कोई प्रयास उनका नजर नहीं आ रहा है, क्या वर्तमान प्राचार्य सीमांकन पूरी जमीन का करा पाएंगे यह देखने वाली बात होगी या फिर वह भी अपने गुरु की तरह केवल महाविद्यालय की चार दिवारी में बैठाकर सब कुछ पूर्व की तरह संचालित करते नजर आयेंगे।

खुद दूसरे की जमीन पर हैं और दे रहे हैं अनापत्ति...

जिला शिक्षा अधिकारी का खुद का कार्यालय खुद के नाम से राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं है, देखा जाए तो कहीं न कहीं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय महाविद्यालय की ही भूमि पर बना हुआ है,जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया वर्तमान नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए अनापत्ति भी जारी कर चुके हैं,अब समझने वाली बात यह है कि खुद जो कार्यालय अपने नाम से दर्ज भूमि पर नहीं बना है कहीं न कहीं अन्य के नाम से दर्ज भूमि पर बना है वहां के अधिकारी किस अधिकार से अनापत्ति जारी कर रहे हैं उसी जमीन का जिस जमीन के भाग पर वह खुद है और जहां नया पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनाया जाना है। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी अनापत्ति समझ से परे है।

वन अधिकार मान्यता पत्रों की जाँच में सामने आए फर्जी प्रकरण

धान खरीदी कार्यों पर लगेगी रोक

-संवाददाता-
एमसीबी,28 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डी. राहुल वेंकट द्वारा जारी के तहत वन अधिकार मान्यता पत्रों के संबंध में गंभीर अनियमितताएं पाई गई हैं। कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त आदेश पत्र के अनुसार अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकार की मान्यता) अधिनियम 2006 एवं 2007 यथा संशोधित नियम 2012 की धारा 3(1)(क) के अंतर्गत केल्हारी अनुभाग से प्राप्त 27 हितग्राहियों के व्यक्तिगत वन अधिकार दावों का जिला स्तरीय वन अधिकार समिति जिला कोरिया की प्रथम बैठक से जिला विभाजन के पूर्व अनुमोदन सूची से मिलान करने पर दर्ज होना नहीं पाया गया है। साथ ही प्रपत्र में अंकित तत्कालीन कलेक्टर कोरिया,वनमण्डलाधिकारी मनेन्द्रगढ़ एवं सहायक आयुक्त कोरिया के हस्ताक्षर कार्यवाही विवरण से मिलान करने पर मेल नहीं खाते। जिससे यह स्पष्ट होता है कि संबंधित 27 वन अधिकार मान्यता पत्र फर्जी प्रतीत होते हैं। फलस्वरूप जिला प्रशासन द्वारा आदेशित किया गया है कि इन हितग्राहियों के नाम से दर्ज खसरा नंबरों में धान खरीदी संबंधी समस्त कार्यवाही (गिरदावरी एवं धान खरीदी) पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। कलेक्टर ने तहसीलदार केल्हारी, जिला खाद्य अधिकारी, जिला विपणन अधिकारी तथा समिति प्रबंधक केल्हारी,कछौड़ एवं डोड़की को आदेश जारी किया गया है। इसके साथ ही प्रतिलिपि में अनुविभागीय अधिकारी (रा0) केल्हारी तथा सहायक आयुक्त,आदिवासी विकास विभाग, जिला एमसीबी को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की गई है। संदिग्ध वन अधिकार मान्यता पत्र धारकों की सूची निम्नानुसार है कमरेश तिग्गा पिता बालसाय ग्राम पंचायत पहाड़हंसवाही खसरा 927 रकबा 2.000 हेक्टेयर,बैजनाथ पिता मोतीराम ग्राम पंचायत पहाड़हंसवाही खसरा 926 रकबा 2.000 हेक्टेयर,लौरेन्स एक्का पिता बर्थोलोमियुस एक्का ग्राम पंचायत पहाड़हंसवाही ग्राम घोड़ाबंधा खसरा 940/42 रकबा 3.005 हेक्टेयर, कमिल एक्का पिता बर्थोलोमियुस एक्का ग्राम पंचायत पहाड़हंसवाही ग्राम घोड़बंधा खसरा 938 रकबा 4.000 हेक्टेयर, करमेला पिता प्रकाश ग्राम पंचायत केलुआ ग्राम खरला खसरा 944 रकबा 2.000 हेक्टेयर,दया किशोर पिता भीसेन ग्राम पंचायत केलुआ ग्राम खरला खसरा 969 रकबा 1.800 हेक्टेयर, सुनीता लकड़ा पति अजीत लकड़ा ग्राम पंचायत केलुआ ग्राम खरला खसरा 969 रकबा 2.600 हेक्टेयर, उजीत लकड़ा पिता सुनील लकड़ा ग्राम पंचायत केलुआ ग्राम कैलासपुर खसरा 944 रकबा 3.00 हेक्टेयर,उदय कुर्रे पिता जयराम ग्राम पंचायत केलुआ खसरा 944 रकबा 2.030 हेक्टेयर,पूनम पिता रामगोपाल ग्राम पंचायत केलुआ ग्राम खरला खसरा 969 रकबा 2.000 हेक्टेयर,मरियम पिता थोमस लकड़ा ग्राम पंचायत खरला ग्राम कैलासपुर खसरा 944 रकबा 3.000 हेक्टेयर, सुमन कुजूर पिता प्रतिमान ग्राम पंचायत केलुआ ग्राम खरला खसरा 944 रकबा 2.098 हेक्टेयर, जीवन कुजूर पिता लारेंस ग्राम पंचायत केलुआ ग्राम खरला खसरा 944 रकबा 2.000 हेक्टेयर, युगनाथ सिंह पिता धनसिंह ग्राम पंचायत महाई ग्राम लोहारी खसरा 751 रकबा 2.000 हेक्टेयर, संतोष कुमार यादव पिता अहिबरन यादव ग्राम पंचायत महाई ग्राम लोहारी खसरा 750 रकबा 1.940 हेक्टेयर, सविता पति संतोष कुमार ग्राम पंचायत महाई ग्राम लोहारी खसरा 750 रकबा 1.880 हेक्टेयर, मालती यादव पति अशोक यादव ग्राम पंचायत महाई ग्राम लोहारी खसरा आरएफ-750 रकबा 2.000 हेक्टेयर, अयोध्या सिंह पिता जगसाय ग्राम पंचायत केवटी खसरा 944 रकबा 2.001 हेक्टेयर, गंगा सिंह पिता जगसाय सिंह ग्राम पंचायत केवटी खसरा 944/1 रकबा 2.000 हेक्टेयर, धरमसाय पिता चिरकू ग्राम पंचायत केवटी खसरा 943 रकबा 2.000 हेक्टेयर, तिजोमनी पिता लक्ष्मण टोप्पो ग्राम पंचायत केवटी खसरा 943 रकबा 1.053 हेक्टेयर, अजमेर सिंह पिता राजरूप सिंह ग्राम पंचायत पसौरी खसरा 954 रकबा 2.029 हेक्टेयर, श्रवण सिंह पिता नहर सिंह ग्राम पंचायत पसौरी खसरा 954 रकबा 2.000 हेक्टेयर, ओम प्रकाश पिता जनार्दन ग्राम पंचायत शिवगढ़ खसरा 919 रकबा 1.400 हेक्टेयर, पूनम सिंह पिता जनार्दन सिंह ग्राम पंचायत शिवगढ़ खसरा 929 रकबा 2.001 हेक्टेयर, पूरन सिंह पिता जगसाय ग्राम पंचायत केवटी खसरा 944 रकबा 2.001 हेक्टेयर और कुंती पिता मोहरलाल ग्राम पंचायत केवटी खसरा 943 रकबा 1.200 हेक्टेयर के हितग्राहियों के वन अधिकार पत्रों में उल्लेखित खसरों में धान खरीदी सम्बंधित सभी कार्यों (गिरदावरी, धान खरीदी) पर प्रतिबंध लगाया गया है। उक्त अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकार की मान्यता) अधिनियम 2006 एवं 2007 यथा संशोधित नियम 2012 की धारा 3(1)(क) अन्तर्गत अनुभाग केल्हारी के व्यक्तिगत वन अधिकार दावों को जिला स्तरीय वन अधिकार समिति, जिला कोरिया (छत्तीसगढ़) के प्रथम बैठक से जिला विभाजन के पूर्व कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कोरिया के अनुमोदन सूची से मिलान करने पर दर्ज होना नहीं पाया गया है। उक्त प्रपत्र के हस्ताक्षर व कार्यवाही विवरण में तत्कालीन कलेक्टर कोरिया, वनमण्डलाधिकारी मनेन्द्रगढ़ एवं सहायक आयुक्त कोरिया के हस्ताक्षर मिलान करने पर मिलान हीं होता है।

कार्यकर्ताओ के मेहनत से संगठन और मजबूत होगा:प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिहा

प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिहा का कार्यकर्ताओ ने गर्मजोशी से किया स्वागत

-संवाददाता-
कोरिया,28 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्याक्ष राहुल टिकरिहा के प्रथम कोरिया प्रवास पर युवा मोर्चा कार्यकर्ताओ ने गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यकर्ताओ ने जगह जगह फूल-मालाओं से स्वागत किया, साथ ही विशाल बाइक रैली के माध्यम से भी स्वागत किया। मानस भवन मे आयोजित स्वागत कार्यक्रम मे नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिहा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा युवा मोर्चा के साथियो ने पूरे उत्साह के युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा का स्वागत किया है,उन्होंने कहा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बहुत ही संघर्षशील होते हैं,उनके लगन और मेहनत का परिणाम है कि संगठन और भी मजबूत हुआ है। युवा मोर्चा भाजपा के रीढ़ की हड्डी के समान है, आज के युवा पीढ़ी को देश हित एवं राष्ट्र हित के लिए आगे आना चाहिए। प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने संबोधित करते हुए कहा कि, भारतीय जनता पार्टी ने मुझे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, जिसके बाद लगातार जिला प्रवास एवं संभागीय बैठक का दौर चल रहा है,उन्होंने कहा,कोरिया जिले के कार्यकर्ताओ ने बढ़ चढ़कर स्वागत किया है उसके लिए मै आभार धन्यवाद व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि,युवाओं के इस उत्साह और मेहनत से संगठन और मजबूत होगा, पार्टी कार्यक्रम के माध्यम से नए युवाओं को पार्टी मे जोड़ेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी,पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, पूर्व जिला उपाध्याय शैलेष शिवहरे,जिला महामंत्री पंकज गुप्ता,कपिल जायसवाल, जिला मंत्री शारदा गुप्ता, अमित श्रीवास्तव,युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष हितेश सिंह,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सतेन्द्र राजवाड़े,जिला महामंत्री प्रखर गुप्ता,कुणाल जायसवाल,मनोज साहू,अनिल राजवाड़े,रमेश तिवारी,साक्षी सिंह, रोशन राजवाड़े,दिलीप राजवाड़े, संतोष राजवाड़े,आशीष यादव, प्रवेन्द्र सिंह,सुरेश राजवाड़े,पारस राजवाड़े,अनिल राजवाड़े,विकास दुबे, अभय दुबे, सुमित गुप्ता, महेन्द्र सिंह, संत सिंह, उमेश साहू, विवेक जायसवाल,ध्रुव सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

अब बिना हेलमेट वालों को पेट्रोल नहीं मिलेगा

01 अक्टूबर से होगा जिले में प्रभावशील

पेट्रोल पंप में लिखना होगा-'नो हेलमेट,नो पेट्रोल

-संवाददाता-
कोरिया,28 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं और यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने आदेश जारी कर कहा है कि अब जिले के किसी भी पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल और अन्य ईंधन नहीं दिया जाएगा। कलेक्टर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी आदेश में कहा है कि आकस्मिक चिकित्सा आपात स्थिति और धार्मिक पगड़ी पहनने वाले व्यक्तियों को छोड़कर सभी दोपहिया वाहन चालक/सवारों के लिए हेलमेट अनिवार्य होगा। सभी पेट्रोल पंप संचालक अपने परिसर में स्पष्ट रूप से 'नो हेलमेट, नो पेट्रोल' का बोर्ड/पोस्टर लगाएंगे। आदेश का उल्लंघन करने वाले पेट्रोल पंप संचालकों पर भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक कोरिया द्वारा कलेक्टर को भेजे गए प्रस्ताव में कहा गया था कि जिले में हेलमेट जागरूकता अभियान और प्रवर्तन कार्यवाही के बावजूद दोपहिया वाहन दुर्घटनाओं में कमी नहीं आ रही है। ऐसे में सड़क सुरक्षा को व्यवहारिक स्तर पर लागू करने कठोर और प्रभावी कदम आवश्यक हो गया है। इसी प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए यह आदेश पारित किया गया। यह आदेश जनहित में नागरिकों की सुरक्षा को देखते हुए जारी किया गया है और आगामी 01 अक्टूबर 2025 से जिले में प्रभावशील होगा।

कोरिया में 31 अक्टूबर तक गिरदावरी सत्यापन कार्य पूर्ण करायें:कलेक्टर चन्दन

-संवाददाता-
कोरिया,28 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में धान खरीदी हेतु गिरदावरी सत्यापन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नोडल अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन द्वारा निर्धारित समयसीमा के अनुरूप 31 अक्टूबर 2025 तक सभी प्रकार का गिरदावरी सत्यापन हर हाल में पूर्ण किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि गिरदावरी सत्यापन का कार्य जिन अधिकारी-कर्मचारियों को सौंपा गया है,वे पूरी गंभीरता से इसे समय पर पूर्ण कराएं। इस कार्य में ग्राम पंचायत सचिवों की भी ड्यूटी लगाई गई है। सभी जनपद सीईओ यह सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत में सचिव समय सीमा का पालन करते हुए कार्य संपन्न कराएं। कलेक्टर ने कहा कि खसरा का भौतिक सत्यापन पीवी ऐप के माध्यम से किया जाएगा। यह कार्य पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता से होना चाहिए। शासन के निर्देश के परिपालन में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन निर्देश के अनुसार। एग्रीस्टैक के डिजिटल क्रॉप सर्वे/भूईंया सॉफ्टवेयर में दर्ज धान की फसल प्रविष्टियों में से 5 प्रतिशत प्रविष्टियों का रैंडम सत्यापन किया जाएगा। यह सत्यापन शासन द्वारा विकसित मोबाइल एप के माध्यम से किया जाएगा। मोबाइल ऐप तीन स्तर पर फसल प्रविष्टियों का रैंडम सत्यापन करेगा। कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों से कहा कि यह कार्य प्राथमिकता के साथ किया जाए और शासन के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन हो। मोबाइल एप में प्रदर्शित अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 तक सभी प्रविष्टियों का सत्यापन अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा तय प्रक्रिया के तहत जिला स्तर पर रैंडम सत्यापन हेतु अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। सभी अधिकारी निर्धारित कार्य को समय पर पूर्ण करें ताकि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। बैठक में अपर कलेक्टर सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती दीपिका नेताम, एसडीएम व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र01456/ब-121/2024
सूरजपुर दिनांक 26/9/2025

आवेदिका का नाम सुशिला आ. स्व. राजलाल जाति गोड निवासी ग्राम नयनपुर .प.ह.न.19 तहसील सूरजपुर, छ0ग0 ने अपने मृत्यु दिनांक 04/09/2004 का मृत्यु /जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 10/10/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

इस ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26/09/2025 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
उप तहसील मानी
जिला सूरजपुर (छ.ग.)
सील

न्यायालय नजूल अधिकारी अंबिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0... /अ-6/ 2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि,आवेदिका श्रीमती कुसुमलता दुबे आ0 स्वर्गीय ओम प्रकाश शुक्ला पति श्री लालजी प्रसाद दुबे, निवासी ग्राम मझौली, जिला जबलपुर म0प्र0 के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के द्वारा मोहल्ला- केदारपुर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि खसरा क्रमांक 98/12 रकबा 0.05 एकड़ भूमि डेविड बेन्जामिन सिंह से पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 11.01.1982 को क्रय किया गया था। वर्तमान नजूल मेन्टेनेन्स अनुसार उक्त भूमि विक्रेता डेविड बेन्जामिन सिंह की पुत्री बीनामेरीज जैकब के नाम से दर्ज है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में आवेदिका द्वारा स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 30.09. 2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक- 24/09/2005 को न्यायालयीन मुद्रा एव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अंबिकापुर,सरगुजा
सील

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि-24.09.2025

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग- स.क्र. 1,2 जशपुर एवं स.क्र. 3 मनेन्द्रगढ़ संभाग
03. स.क्रं. 1 से 3 - 'द' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 15.10.2025

सरल क्र.	एन.आई.टी.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	189	जिला जशपुर के कंदाडोड़हा से घूमरा मार्ग लंबाई 0.80 कि.मी. का निर्माण कार्य । (प्रथम आमंत्रण)	74.07
2	190	औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दुलदुला जिला जशपुर में प्रथम तल भवन का निर्माण कार्य । (प्रथम आमंत्रण)	97.66
3	191	जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के लालपुर में आई.टी.आई.भवन का रेनोवेशन कार्य (प्रथम आमंत्रण)	46.35

जी नंबर-252603772/3

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

छात्र के आंख की चली गयी रौशनी, महिला शिक्षक की लापरवाही उजागर,जेडी ने किया सस्पेंड

-संवाददाता-
कोरबा,28 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

महिला शिक्षक की लापरवाही से छात्र के एक आंख की रौशनी चली गयी। स्कूल में हुई मारपीट की घटना में घायल छात्र को महिला शिक्षक ने उपचार न कराकर स्कूल में ही दो घंटे तक रोके रखा। बीईओं की जांच में इस गंभीर लापरवाही पर संयुक्त संचालक ने दोषी महिला शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। पूरा मामला कोरबा के कुसमुंडा आदर्श नगर स्थित प्राथमिक शाला चुनचुनी का है। बताया जा रहा है कि इस विद्यालय में 9 जुलाई को रोज की तरह क्लास लगी थी। स्कूल के प्रधान पाठक आकस्मिक अवकाश पर थे। लिहाजा संस्था का प्रभार महिला शिक्षक इंद्राणी पांडेय को दिया गया था। इसी दिन स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद रेहान नामक छात्र ने डंडे से मारपीट करते हुए अवल बंजारे की आंख पर वार कर दिया।

इलाज में देरी के चलते आंख की रौशनी गई

इस घटना में छात्र अवल बंजारे के बांयी आंख में गंभीर चोट लगने पर उसने घटना की जानकारी महिला शिक्षक को दी, लेकिन उन्होने पीड़ित छात्र की तकलीफ जानने के बाद भी उसका उपचार कराने अस्पताल नही ले गयी और ना ही उसके परिजन को इसकी जानकारी दी गयी। उल्टे घायल छात्र को दो घंटे तक स्कूल में ही रोक लिया गया। समय पर इलाज नहीं होने के चलते छात्र की एक आंख की रौशनी चली गयी। इस घटना की शिकायत के बाद जिला शिक्षाधिकारी तामेश्वर उपाध्याय ने बीईओं को जांच के लिए निर्देश दिया था। बीईओं की जांच में महिला शिक्षिका इंद्राणी पांडेय की गंभीर लापरवाही पायी गयी। उक्त जांच रिपोर्ट को जिला शिक्षाधिकारी ने बिलासपुर संयुक्त संचालक आर.पी.आदित्य के समक्ष कार्रवाई के लिए पेश किया गया, जिसे संयुक्त संचालक ने गंभीरता से लेते हुए दोषी महिला शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

चार महीने में ही शातिर प्रधान आरक्षक की हुई घर के पास पुनः वापसी, अधिकारियों के द्वारा जारी इस स्थानांतरण आदेश पर उठे सवाल ?

क्या अधिकारियों ने प्रधान आरक्षक की पूरी जीवनी और कार्यकाल की समीक्षा नहीं की स्थानांतरण से पहले?

जशपुर स्थानांतरण के समय जो प्रधान आरक्षक रवानगी लेने में कर रहा था विलंब,घर के पास वापसी आदेश के समय गृह जिले में ही रहा मौजूद

-न्यूज़ डेस्क-
सरगुजा/कोरिया/एमसीबी,28 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

चार महीने पूर्व ही जारी हुआ स्थानांतरण आदेश पुलिस विभाग का पुनः बदल दिया गया और ऐसा सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ने किया है जिन्होंने पूर्व पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा के उस आदेश को ही बदल दिया जिसमें उन्होंने कई ऐसे पुलिसकर्मियों को उन जिलों से दूर हटाया था जिनकी कार्यप्रणाली दोषपूर्ण लगातार चली आ रही थी और जिनसे जनता परेशान थी जिनकी अनगिनत शिकायतें थीं,पूर्व महानिरीक्षक सरगुजा ने ऐसे पुलिसकर्मियों को रेंज के ऐसे जिलों में स्थानांतरण आदेश जारी कर भेजा था जहां से वह पूर्व पदस्थापना जिले में कोई हस्तक्षेप आसानी से न कर सकें यह आदेश उन्होंने अपने रेंज से जाते जाते किया था और इस आदेश के बाद ऐसा लगने लगा था कि संभाग में बेहतर पुलिसिंग देखने को मिलेगी,वैसे स्थानांतरित पुलिसकर्मियों को विभिन्न जिलों से बाहर भेजे जाने के आदेश जारी होने के बाद उन जिले के लोगों में तब प्रसन्नता भी नजर आई थी क्योंकि लोग ऐसे पुलिसकर्मियों से ऊब चुके थे उनसे परेशान थे उनकी उगाही से वह त्रस्त थे, कुछ लोगों के तबादले के बाद तो मंदिरों में नारियल भी लोगों ने फोड़े थे और उत्साह जाहिर किया था कि उनका जिला अब भ्रष्ट अत्याचारी पुलिसकर्मियों की गिरफ्त से बाहर निकल सका है वहीं कुल चार महीने बाद ही नए पुलिस महानिरीक्षक ने तब के पुलिस महानिरीक्षक द्वारा जारी आदेश को पलट दिया और अब पुनः दोषपूर्ण कार्यप्रणाली वाले पुलिसकर्मी अपनी मनचाही जगह वापसी करने वाले हैं और पुनः वह अत्याचार ही फैलाएंगे जो तय माना जा रहा है। बार फिर अखबार की खबर सही हो गई और मोहर अंततः फिर लग गई, जिस बात का अंदेशा अखबार ने दिया था आखिर वह अंदेशा एक बार फिर सही हो गया। जिन बदमाशों को उनके कोंच ने यह बोलकर शामिल किया है कि मैं उन्हें सुधार लूंगा और इनसे अच्छा प्रदर्शन करा लूंगा,शायद वह यह नहीं बताएं कि यह बदमाश पहले भी मेरे साथ काम कर चुके हैं जिन्हें बिगाड़े भी वही है।

चार महीने में पुनः संशोधित आदेश जारी कर केवल दोषपूर्ण कार्यप्रणाली वाले पुलिसकर्मियों को पुनः उनके पूर्व पदस्थ जिले या उस जिले के अगल बगल के जिले में भेजा जाना ऐसी कार्यवाही मानी जा रही है जो पुलिस विभाग को ही कटघरे में खड़ी कर रही है जिससे यह प्रतीत होना माना जा रहा है कि पुलिस विभाग में किसी कर्मी की कार्यक्षमता उसका प्रदर्शन मायने नहीं रखता उसका आचरण और व्यवहार मायने नहीं रखता केवल और केवल विभाग में कौन कितना दोषपूर्ण कार्य कर सकता है यह देखा जाता है। सवाल कई खड़े हो रहे हैं और जवाब शायद पुलिस विभाग के पास भी नहीं होगा क्योंकि इतने कम समय में किसी भी शासकीय विभाग में आदेश बदलते लोगों ने नहीं देखा है ऐसा लोगों का कहना है। वैसे इस सूची में दोषपूर्ण कार्यप्रणाली के लिए विख्यात कोरिया जिले से विभिन्न जिले भेजे गए कुछ प्रधान आरक्षकों का भी नाम है जो पुनः वापसी करते नजर आ रहे हैं और ऐसा बताया जा रहा है कि उनका नाम सूची में शामिल नहीं हुआ है उनके लिए ही यह आदेश जारी हुआ है केवल कुछ नाम अलग से जोड़कर सूची को स्थानांतरण प्रक्रिया अंतर्गत जारी किया गया आदेश बताने का प्रयास किया गया है। सूची जारी होने के बाद कोरिया सहित एमसीबी जिले में यह चर्चा आम है कि जिन्हें जिलेवासी देखना पसंद नहीं कर रहे थे जिले से बाहर भेजे जाने पर जब जिलेवासियों ने नारियल फोड़े थे भगवान को धन्यवाद दिया था उनका पुनः वापस आना अब उनके लिए ही निराशा का विषय है,दुःख का विषय है।

कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक
सरगुजा रेंज, सरगुजा, अंबिकापुर (छत्तीसगढ़)
-:: आदेश ::-

सरगुजा रेंज अंतर्गत विभिन्न जिलों में पदस्थ निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा अंतर्जिला स्थानांतरण अथवा आपसी समन्वय पर स्थानांतरण हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्रों के अवलोकन उपरांत सरगुजा रेंज स्थापना बोर्ड के निर्णयानुसार उनके नाम के सम्मुख कॉलम नंबर 05 में दर्शित नवीन इकाई में स्वयं के व्यय पर स्थानांतरित कर पदस्थ किया जाता है :-

क्र.	पदनाम	नाम अधिकारी/कर्मचारी	वर्तमान इकाई	नवीन पदस्थापना इकाई	रिमार्क
1.	स.उ.नि.	गुरू प्रसाद यादव	एमसीबी	कोरिया	आपसी स्थानांतरण
2.	स.उ.नि.	समरीत सिंह मरावी	कोरिया	एमसीबी	
3.	स.उ.नि.	दीपक खड़ा	जशपुर	बलरामपुर	आपसी स्थानांतरण
4.	स.उ.नि.	नंदलाल राम	बलरामपुर	जशपुर	
5.	प्र.आर.61	शंभु प्रसाद पोर्ते	कोरिया	सरगुजा	
6.	प्र.आर.100	नवीनदत्त तिवारी	जशपुर	एमसीबी	
7.	प्र.आर.218	सुरेश गौड़	जशपुर	एमसीबी	
8	प्र.आर.276	जयदीप सिंह	बलरामपुर	सरगुजा	
9	प्र.आर.986	नवीन साहू	बलरामपुर	कोरिया	
10	प्र.आर.477	इमरान गालिब	बलरामपुर	सरगुजा	
11	आर.258	विकास भगत कुजूर	एमसीबी	बलरामपुर	आपसी स्थानांतरण
12	आर.1147	पूर्णेश कश्यप	बलरामपुर	एमसीबी	
13	म.आर.575	कलरीना देवी	बलरामपुर	सरगुजा	
14	आर.1028	सागर सिंह	बलरामपुर	सरगुजा	
15	आर.181	शिवपूजन सिंह	जशपुर	बलरामपुर	

01. उपरोक्त स्थानांतरण संबंधित कर्मचारियों के लिखित आवेदन के आधार पर किये गए है। अतएव शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार उन्हें स्थानांतरणयात्रा भत्ता पात्रता नहीं होगी। नियमानुसार पदग्रहण काल देय होगा।

02. उपरोक्तानुसार स्थानांतरित कर्मचारी का स्थानांतरित इकाई में संबंधित संवर्ग में वरिष्ठता हेतु दावा नहीं रहेगा। वरिष्ठता निर्धारण हेतु छ.ग. शासन/पुलिस मुख्यालय द्वारा समय-समय पर जारी प्रचलित नियमों का पालन किया जावेगा। संबंधित पुलिस अधीक्षक द्वारा स्थानांतरित कर्मचारी से अनिवार्य रूप से इस संबंध में अण्डर-टेकिंग प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरांत ही नवीन पदस्थापना इकाई हेतु रवानगी दी जाए।

वर्तमान स्थानांतरण आदेश

कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक
सरगुजा रेंज, सरगुजा, अंबिकापुर (छत्तीसगढ़)
-:: आदेश ::-

निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रशासनिक दृष्टिकोण से स्थानांतरित कर अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त उनके नाम के सम्मुख कॉलम नंबर 05 में दर्शित नवीन पदस्थापना इकाई में स्थानांतरित कर पदस्थ किया जाता है :-

क्र.	पदनाम/बैच नं.	नाम अधिकारी/कर्मचारी	वर्तमान इकाई	नवीन पदस्थापना इकाई
1	2	3	4	5
1.	स.उ.नि.	राजेश पाण्डेय	कोरिया	बलरामपुर-रामानुजगंज
2.	स.उ.नि.	गुरूप्रसाद यादव	सूरजपुर	एम.सी.बी.
3.	प्र.आर. 98	नवीनदत्त तिवारी	कोरिया	जशपुर
4.	प्र.आर.चा. 35	उदयभान दुबे	बलरामपुर-रामानुजगंज	एम.सी.बी.
5.	प्र.आर. 38	इश्तियाक अहमद	एम.सी.बी.	जशपुर
6.	प्र.आर. 76	शैलेन्द्र कैवर्तनी	एम.सी.बी.	सूरजपुर
7.	प्र.आर. 458	विनोद बलखो	जशपुर	एम.सी.बी.
8.	प्र.आर. 10	सुनील लकड़ा	पीटीएस मैनपाट	सूरजपुर
9.	आर. 103	नवीन साहू	कोरिया	बलरामपुर-रामानुजगंज
10	आर. 666	राजल जायसवाल	कोरिया	जशपुर
11	आर. 607	शिवकुमार पटेल	बलरामपुर-रामानुजगंज	कोरिया
12.	आर. 1127	संजीत कुमार यादव	बलरामपुर-रामानुजगंज	कोरिया
13.	आर. 349	अरविंद तिवारी	सरगुजा	एम.सी.बी.
14.	आर.चा.क. 207	सुधीर सिंह	सरगुजा	एम.सी.बी.
15.	आर. 934	इम्तियाज अली	सरगुजा	जशपुर
16.	आर. 738	अमित राजवाड़े	सरगुजा	बलरामपुर-रामानुजगंज
17.	आर. 537	संजय तिग्गा	सरगुजा	कोरिया
18.	आर. 533	करमचंद पैकरा	सरगुजा	एम.सी.बी.
19.	आर. 219	संजय सिंह	एम.सी.बी.	सूरजपुर
20.	आर. 565	इन्द्रजीत बंजारे	जशपुर	सरगुजा
21.	आर. 145	अजय शुक्ला	सूरजपुर	बलरामपुर-रामानुजगंज

संबंधित पुलिस अधीक्षक उपरोक्तानुसार स्थानांतरित कर्मचारियों को अविलंब स्थानांतरित इकाई हेतु कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करें ।

चार महीने पूर्व का आदेश

चार महीने में ही घर लौटे पुलिसकर्मी... अब पुनः देखने को मिलेगा मनमानी पूर्ण रवैया...

चार महीने पहले जिन पुलिसकर्मियों को विभिन्न जिलों से अलग-अलग जिले भेजा गया था जिन्हें वर्षों से पदस्थ जिले से हटाया गया था उन्हें पुनः वापस भेजा जा रहा है,अब ऐसे पुलिसकर्मियों का पुनः मनमानी पूर्ण रवैया देखने को मिलेगा यह पुनः अपना आतंक स्थापित करेंगे और आम लोगों को परेशान करेंगे। यह आदेश उस आदेश के विरुद्ध माना जा रहा है जो आदेश पूर्व आईजी ने जारी किया था। पूर्व आईजी ने तो रेंज को बेहतर पुलिसिंग देने का प्रयास किया था लेकिन वर्तमान जारी आदेश बताता है कि पूर्व आईजी की मंशा पर पानी फेर दिया गया है। आदेश के अनुसार दोषपूर्ण कार्यप्रणाली वाले हटाए गए पुलिसकर्मियों को या तो वहीं भेजा गया है जहां वह पूर्व में पदस्थ थे या तो ऐसे जिलों के अगल बगल के जिले में भेजा गया है जहां से वह पूर्व पदस्थ वर्षों से पदस्थ जिले में आसानी से आ जाकर हस्तक्षेप कर सकें। दोषपूर्ण कार्यप्रणाली वाले पुलिसकर्मियों को यह अभयदान दिए जाने संबंधी आदेश माना जा रहा है और जिसके तहत वह अब पुनः मनमानी करने स्वतंत्र होंगे।

स्थानांतरण ही क्यों जब पुनः वापस वहीं भेजना है जहां से हटाया गया?

पुलिस विभाग में प्रायः देखा गया है कि पुलिस विभाग में पुलिसकर्मियों को यह सुविधा मिलती है कि वह वर्षों या कई दशकों तक एक ही जिले में पदस्थ रह सकते हैं। पुलिसकर्मियों के शिवाय अन्य विभाग की यदि बात की जाए अन्य विभाग में स्थानांतरण मामले में पुलिस विभाग की तरह सुविधा कर्मचारियों को नहीं मिलती है,पुलिस विभाग में प्रायः ऐसा नजर आता है कि स्थानांतरण आदेश जारी होता है और फिर पुनः संशोधन का खेल शुरू होता है,कई बार तो रवानगी को लेकर ही ऐसा पेंच फंसा देते हैं अधिकारी की जिसे स्थानांतरित किया गया है वह आदेश जारी होने उपरांत भी वहीं जमे रहते हैं जहां से उन्हें हटाया गया होता है। सरगुजा आईजी ने जो स्थानांतरण आदेश जारी किया है वह कुल चार माह ही जारी किया गया है और जिसमे वही नाम शामिल हैं जो चार माह पूर्व भी स्थानांतरण आदेश में शामिल थे। अब सवाल यह उठ रहा है कि जब आदेश संशोधित कर पुनः पुलिसकर्मियों को उनकी मनचाही या पूर्व पदस्थली वाली जगह पर ही भेजा जाना था तो फिर ऐसा पूर्व स्थानांतरण आदेश जारी ही क्यों हुआ यह बड़ा सवाल है।

मायावी प्रधान आरक्षक को चरण वंदन उपरांत पूर्व पदस्थ जिले के बगल के जिले में मिली पदस्थापना

कोरिया जिले से हटाए गए जशपुर जिले भेजे गए मायावी प्रधान आरक्षक को चरण वंदन उपरांत पूर्व पदस्थ रह चुके जिले के बिल्कुल बगल के जिले में पदस्थापना प्रदान की गई है,जिला मिल सका है। मायावी प्रधान वैसे तो वहीं आना चाहता था जहां वह पूर्व में पदस्थ रह चुका था लेकिन उसे वहां पदस्थ न करते हुए पूर्व पदस्थ जिले के बगल के जिले भेजा गया है,वैसे बताया जा रहा है कि मायावी ने खुद उस जिले का चयन किया है जिससे वह आसानी से कोरिया जिले से आना जाना कर सके। मायावी प्रधान आरक्षक अब एमसीबी जिले में पहुंचे हैं,वह अब एमसीबी जिले में आतंक का अपना साम्राज्य फैलाएंगे ऐसी चर्चा है,वैसे एमसीबी जिले के लोग भी अचंभित हैं कि जिसे कोरिया जिले के लोगों ने भगाया वह अब एमसीबी जिले में मनमानी के लिए पहुंचा है।

जारी आदेश के बाद अब पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे हैं सवाल,क्या दोषपूर्ण कार्यप्रणाली वाले पुलिसकर्मियों के सामने नतमस्तक है विभाग?

सरगुजा आईजी द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश के बाद पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं,जारी आदेश में ज्यादातर नाम ऐसे हैं जो पुलिस विभाग के सरगुजा संभाग के चर्चित नाम हैं जिस पर लगातार आरोप भी लगते रहे हैं। ऐसे पुलिसकर्मियों को इस आदेश में मनचाही पदस्थापना प्रदान की गई है,यह आदेश यह प्रश्न खड़ा करता है कि क्या दोषपूर्ण कार्यप्रणाली वाले पुलिसकर्मियों के सामने विभाग नतमस्तक है जिसके कारण विभाग को दोषपूर्ण कार्यप्रणाली वाले पुलिसकर्मियों को बार बार लाभ पहुंचाना पड़ता है उन्हें हमेशा प्रसन्न रखना पड़ता है। वैसे इस आदेश के बाद यह प्रश्न लगातार खड़ा हो रहा है और यह पुलिस की कार्यप्रणाली को ही कटघरे में खड़ा करता है।

जिले में महिलाओं के सुरक्षित कार्यस्थलों में आंतरिक शिकायत समिति का होगा गठन

नियोक्ताओं को अधिनियम पालन में विफल होने पर 50,000 रुपये तक जुर्माना

-संवाददाता-
एमसीबी, 28 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 के क्रियान्वयन हेतु माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार कोई विभाग, संगठन,उपकम,प्रतिष्ठान, उद्यम, संस्थान,कार्यालय,शाखा अथवा इकाई जो प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से सरकार / स्थानीय प्राधिकरण, सरकारी कंपनी/निगम/सरकारी सोसायटी द्वारा प्रदत्त निधियों द्वारा स्थापित, स्वामित्वाधीन, नियंत्रणाधीन अथवा वित्त पोषित हो। और दो निजी क्षेत्र का संगठन, उपक्रम, उद्यम, संस्थान,प्रतिष्ठान,सोसायटी, न्यास,गैर शासकीय संगठन इकाई अथवा सेवा प्रदाता जो

वाणिज्यिक व्यावसायिक शैक्षिक, मनोरंजन, औद्योगिक,स्वास्थ्य सेवायें अथवा वित्तीय क्रियाकलाप कर रहा हो जिसमें उत्पादन, आपूर्ति, विक्रय, वितरण, अस्पताल अथवा नर्सिंग होम, खेलकूद का संस्थान, स्टेडियम, खेल परिसर, प्रतियोगिता अथवा खेल का स्थान आदि निजी क्षेत्र जहां 10 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाना आवश्यक है। साथ ही इसके अतिरिक्त उन सभी उद्यमों (छोटे बड़े सभी उद्यम/उद्योग विभाग से पंजीकृत होते हैं) एवं जहां 10 से अधिक कर्मचारी नियोजित है वहां अधिनियम की धारा 4 के अनुसार आंतरिक शिकायत समिति गठित किया जाना है।

आंतरिक शिकायत समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे

1. पीठासीन अधिकारी जो कार्यस्थल के कर्मचारियों में से वरिष्ठ स्तर की महिला कर्मचारी होगी यदि वरिष्ठ स्तर की महिला कर्मचारी न हो तब उसी नियोक्ता अथवा अन्य विभाग अथवा संगठन के किसी अन्य कार्यस्थल से पीठासीन अधिकारी नाम निर्देशित की जाएगी।
2. कर्मचारियों में जो महिलाओं के लिए प्रतिबद्ध अथवा सामाजिक कार्य में अनुभव वाले कम से कम 02 सदस्य होंगे।
3. गैर शासकीय संगठन संघ से 01 सदस्य जो महिलाओं के लिए प्रतिबद्ध हो सदस्य होंगे।

नाम निर्देशित कुल सदस्यों में आधी महिलाएं होंगी तथा समिति के पीठासीन अधिकारी एवं प्रत्येक सदस्य नामांकन की तारीख से 03 वर्ष तक की अवधि के लिए पद धारित होंगे। पॉश अधिनियम के अंतर्गत आंतरिक शिकायत समिति के गठन का आदेश जारी करने की जिम्मेदारी कार्यस्थल के प्रत्येक नियोक्ता की है किन्तु यदि यह आंतरिक शिकायत समिति गठन करने में विफल होता है तो अधिनियम की धारा 26 के अनुसार संबंधित कार्यालय को 50,000 रुपए (पचास हजार रुपए) तक के जुर्माने से दण्डित किया जावेगा।

पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने की टी संवर्ग पदोन्नत व्याख्याताओं की काउंसलिंग प्रक्रिया पर पुनर्विचार की मांग

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,28 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

ट्रेड यूनियन कौंसिल छत्तीसगढ़ के प्रान्ताध्यक्ष गुलाब कमरो ने संचालक,लोक शिक्षण संचालनालय,रायपुर को अभ्यावेदन सौंपते हुए टी संवर्ग के पदोन्नत व्याख्याताओं की काउंसलिंग प्रक्रिया में सुधार की मांग की है। गुलाब कमरो ने बताया कि दिनांक 12 सितम्बर 2025 को जारी आदेश क्रमांक स्था-2/व्या./पदों./13(1)/2025/331, अटल नगर के तहत टी संवर्ग शिक्षकों को व्याख्याता पद पर पदोन्नति के उपरांत काउंसलिंग हेतु निर्देश जारी किए गए हैं। इस आदेश में कई शिक्षकों के हित प्रभावित हो रहे हैं,जिन पर तत्काल पुनर्विचार की आवश्यकता है। गुलाब कमरो ने अपने पत्र में कहा कि एमसीबी जिले के अनेक पात्र शिक्षक पदोन्नति प्रक्रिया से वंचित रह गए हैं, जबकि वे पूरी तरह पात्र हैं। इसलिए उन्हें भी इस आदेश में शामिल करते हुए काउंसलिंग का अवसर प्रदान किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर योग्य शिक्षक अपने अधिकार से वंचित हो जाएंगे, जो न्यायोचित नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि काउंसलिंग प्रक्रिया का उद्देश्य पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना है, लेकिन यदि सभी पात्र शिक्षकों को इसका लाभ नहीं मिला तो यह प्रक्रिया अधूरी मानी जाएगी। ट्रेड यूनियन कार्उसिल ने शासन से मांग की है कि इस आदेश में छूटे हुए पात्र शिक्षकों को तत्काल जोड़ा जाए तथा काउंसलिंग में सम्मिलित किया जाए, ताकि किसी भी शिक्षक का शैक्षणिक और सेवा हित प्रभावित न हो।

जिला अस्पताल से मरीजों को निजी अस्पताल व डायग्नॉस्टिक सेंटर भेजा जा रहा

महिला चिकित्सकों और निजी एम्बुलेंस की कार्यप्रणाली से मरीज बेहाल,स्वास्थ्य सेवाओं की पारदर्शिता पर सवाल

-शमरोज खान -
सुरजपुर,28 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिला अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीज इन दिनों परेशानी का सामना कर रहे हैं। यहाँ पदस्थ कुछ महिला चिकित्सकों पर गंभीर आरोप लगे हैं कि वे मरीजों को उपचार देने के बजाय अपने पतियों द्वारा संचालित निजी अस्पतालों और सोनोग्राफी सेंटरों की ओर भेज रही हैं।

मरीजों को निजी एम्बुलेंस में ले जाया जा रहा

आरोप है कि जिला अस्पताल में पदस्थ महिला चिकित्सक न केवल मरीजों को निजी संस्थानों की ओर रिफर कर रही हैं, बल्कि उन्हें अपने परिचित निजी एम्बुलेंस संचालकों के माध्यम से सीधे उन अस्पतालों तक भेजा जा रहा है। इससे मरीजों को जिला अस्पताल की मूलभूत सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है और वे मजबूरन भारी भरकम खर्च उठाने पर बाध्य हो रहे हैं।

पूर्व कलेक्टर का आदेश और सुधार

गौरतलब है कि कुछ माह पूर्व के तात्कालिक कलेक्टर ने इस स्थिति को गंभीर मानते हुए सख्त आदेश जारी किया था। उन्होंने निर्देश दिया था कि यदि अस्पताल से या अस्पताल से 100 मीटर की परिधि में कोई निजी एम्बुलेंस संचालक,लैब या डायग्नॉस्टिक सेंटर का कर्मचारी सक्रिय पाया गया तो उसके खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाएगी। इस आदेश के बाद निजी अस्पताल संचालकों व लैब स्टाफ में हड़कंप मच गया था। नतीजा यह हुआ कि जिला अस्पताल की व्यवस्थाएँ सुधर गई थीं और मरीजों को राहत मिली थी।

स्थानांतरण के बाद फिर बिगड़ी स्थिति

लेकिन कलेक्टर के स्थानांतरण के बाद हालात फिर से पुराने ढर्रे पर लौट आए। अब मरीजों को जिला अस्पताल से बाहर भेजने का सिलसिला जोरों पर है। निजी अस्पतालों और डायग्नॉस्टिक सेंटरों का कारोबार एक बार फिर तेज हो गया है और जिला अस्पताल आने वाले मरीज परेशान हैं।

महिला चिकित्सकों पर सवाल

स्वास्थ्य विभाग जहाँ एक ओर संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए लगातार अभियान चला रहा है,वहीं जिला अस्पताल में पदस्थ कुछ महिला चिकित्सक इस मुहिम को झटका देती नज़र आ रही हैं। बताया जाता है कि वे मरीजों को अपने ही परिवारजनों द्वारा संचालित अस्पतालों और सोनोग्राफी केंद्रों में जाने के लिए बाध्य कर रही हैं।

आर्थिक बोझ और अविश्वास

इस रवैये के कारण गरीब और मध्यमवर्गीय मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। जहाँ जिला अस्पताल में अधिकांश सेवाएँ निःशुल्क उपलब्ध हो सकती थीं, वहीं बाहर निजी संस्थानों में मरीजों को मोटी रकम चुकानी पड़ रही है।

जनाक्रोश और प्रशासन से अपेक्षा

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि शासन-प्रशासन इस दिशा में शीघ्र कठोर कदम नहीं उठाता तो जिला अस्पताल की स्थिति और बिगड़ेगी। सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि पूर्व कलेक्टर की तरह ही सख्त कार्रवाई हो और निजी अस्पतालों व एम्बुलेंस संचालकों की मनमानी पर लगाम कसी जाए।

वर्तमान कलेक्टर से जनता की उम्मीद

लोगों को वर्तमान कलेक्टर से काफी उम्मीदें हैं। जनता चाहती है कि वे भी अपने पूर्ववर्ती की तरह सख्त कदम उठाएँ और जिला अस्पताल की बिगड़ी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करें। यदि जिला प्रशासन निष्पक्ष जाँच कर दोषियों पर कार्रवाई करता है तो न केवल मरीजों का भरोसा लौटेगा, बल्कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएँ भी धरातल पर उतरेंगी।

पिता ऋषि कपूर ने जड़ा था थप्पड़,फिल्म सेट पर पोंछा लगाया,भंसाली से पिटा : रणबीर कपूर

रणबीर कपूर न सिर्फ कपूर खानदान के लाड़ले हैं,बल्कि परिवार के इकलौते ऐसे लड़के हैं,जिन्होंने न केवल अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की,बल्कि आगे की पढ़ाई के लिए विदेश भी गए। अपने स्टाइल,चार्म और शानदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाले रणबीर पर्दे पर जितने चुलबुले नजर आते हैं,बचपन में भी उतने ही शरारती थे। वे खुद मानते हैं कि उन्हें पिता ऋषि कपूर से मार भी पड़ी है। इतना ही नहीं,उनके स्कूल के प्रिंसिपल ने भी उन्हें पीटा था।

कपूर खानदान का पहला 10वीं पास लड़का

कपूर खानदान बॉलीवुड के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित फिल्मी परिवारों में से एक है। इस खानदान की चार पीढ़ियां फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी रही हैं। हालांकि,किसी ने भी अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी नहीं की। रणबीर,कपूर परिवार के पहले ऐसे पुरुष सदस्य हैं,जिन्होंने न केवल स्कूल की पढ़ाई पूरी की,बल्कि विदेश जाकर भी पढ़ाई की। अभिषेक श्रीवास्तव के साथ इंटरव्यू में रणबीर ने बताया,मेरे परिवार का पढ़ाई में रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं रहा है। मेरे पापा (ऋषि कपूर) आठवीं क्लास में फेल हो गए थे, मेरे अंकल (राजीव कपूर) नौवीं में और मेरे दादाजी (राज कपूर) तो छठी क्लास से आगे नहीं पढ़ पाए थे। मैं अपने परिवार का सबसे ज्यादा पढ़ा-लिखा इंसान हूं। जब मैंने 10वीं में 53.4% अंक हासिल किए,तो मेरा पूरा परिवार बहुत खुश हुआ। उन्हें मुझसे कोई खास उम्मीद नहीं थी, लेकिन जब मेरा रिजल्ट आया तो मेरी दादी तो रोने लगी थीं। उन्होंने मेरे लिए एक छोटी सी पार्टी भी रखी थी। मैं अपने परिवार का पहला लड़का था जिसने 10वीं की परीक्षा पास की थी। भले ही पढ़ाई में मैं औसत था, लेकिन एक्टिंग में हमेशा से बेहतरीन रहा हूं।

जब रणबीर को पड़ी थी प्रिंसिपल से मार

रणबीर न सिर्फ फिल्मों में अपने चुलबुले अंदाज के लिए जाने जाते हैं, बल्कि स्कूल के दिनों में भी वे कुछ कम शरारती नहीं थे। वह हमेशा क्लास में सबसे पीछे बैठते थे और मौका मिलते ही कोई न कोई मस्ती जरूर करते थे। एक बार स्कूल में एक बोरिंग पीरियड के दौरान रणबीर क्लास से चुपचाप खिसकने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया, तभी उन्हें स्कूल के प्रिंसिपल ने पकड़ लिया। इसके बाद जो हुआ,वो रणबीर आज भी नहीं भूल पाए हैं। प्रिंसिपल ने गुस्से में उन्हें कई थप्पड़ भी जड़ दिए। इतना ही नहीं, उन्हें मारते-मारते पूरे कॉरिडोर में ले गए। फिर वहीं खड़े होकर गुस्से में पूछा तुम क्या कर रहे थे?

पिता ऋषि कपूर ने जड़ा था तमाचा

सिर्फ प्रिंसिपल नहीं बल्कि रणबीर बचपन में पिता ऋषि कपूर से भी मार खा चुके हैं। वह अपनी मां नीतू कपूर के तो लाडले हैं। लेकिन पिता से काफी डरते थे। एक बार ऋषि कपूर ने रणबीर को तमाचा भी जड़ा था। रणबीर ने कहा, मैं अपने पापा का हमेशा से फैन रहा हूं, उनके डिफरेंट किरदारों को देखना मुझे अच्छा लगता है। यूं तो पापा कभी मुझ पर चिल्लाए नहीं लेकिन बचपन में एक बार मुझे बहुत जोर का चांटा मारा था, क्योंकि मैं जूते पहनकर पूजा घर में चला गया था। तब मैं करीब 12 साल का था। इतना ही नहीं रणबीर ने यह भी बताया कि वह पिता ऋषि कपूर की फिल्मों को बड़े शौक से देखते हैं वहीं, मम्मी नीतू कपूर को फिल्म में देखने में उन्हें झिझक महसूस होती है।

17 साल की उम्र में पिता को असिस्ट किया

ऋषि कपूर ने 1999 में ऐश्वर्या राय और अक्षय खन्ना स्टारर फिल्म 'आ अब लौट चलें' का डायरेक्शन किया था और वो इसके प्रोड्यूसर भी थे। इसी फिल्म में रणबीर ने भी अपने पिता को बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर मदद की थी। उस वक्त उनकी उम्र 17 साल थी और उन्होंने 10वीं की पढ़ाई पूरी की थी। इसके बाद इसके बाद उन्होंने एच.आर. कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स से 11वीं और 12वीं की पढ़ाई की। और फिर न्यूयॉर्क के स्कूल ऑफ विजुअल आर्ट्स से फिल्म मेकिंग का कोर्स किया और ली स्ट्रासबर्ग थिएटर एंड फिल्म इंस्टीट्यूट से मेथड एक्टिंग का कोर्स किया। यह वही संस्थान है जहां हॉलीवुड के कई दिग्गज अभिनेता जैसे अल पचीनो और रॉबर्ट डी नीरो भी प्रशिक्षण ले चुके हैं। अपनी फिल्म स्कूल की पढ़ाई के दौरान रणबीर ने दो शॉर्ट फिल्म पैशन टू लव और इंडिया 1964 का न सिर्फ निर्देशन बल्कि उनमें एक्टिंग भी की।

'ब्लैक' के सेट पर पोंछा लगाया, गालियां खाईं

पढ़ाई पूरी करने के बाद रणबीर कपूर 2005 में मुंबई लौटे और यहीं से उनके फिल्मी करियर की असली शुरुआत हुई। इस दौरान उन्होंने निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म ब्लैक में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। नेहा धूपिया के साथ बातचीत में रणबीर ने बताया था, मैं रोज 21 घंटे काम करता था। पोंछा लगाने से लेकर लाइट फिक्स करने तक सब कुछ किया है। सेट पर डांट और मार भी खाई,गालियां भी सुननी पड़ीं,लेकिन हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता था। मैं चाहता था कि भंसाली सर मुझे अपनी किसी फिल्म में लीड रोल दे दें। रणबीर की मेहनत रंग लाई और भंसाली ने उन्हें अपनी अगली फिल्म सांवरिया (2007) में बतौर लीड एक्टर लॉन्च किया। लेकिन यह फिल्म फ्लॉप हो गई। हालांकि, रणबीर का टॉवेल वाला सीन सुर्खियों में आ गया था। इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट मेल डेब्यू का अवॉर्ड मिला था।

पहली ही फिल्म फ्लॉप, फिर 'वेक अप सिड' से मिली पहचान

सांवरिया के बाद रणबीर फिल्म बचना ए हसीनो में नजर आए थे। ये फिल्म भी कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। लेकिन फिर साल 2009 में आई फिल्म वेक अप सिड से न सिर्फ अलग पहचान मिली बल्कि उनके करियर की पहली सुपरहिट फिल्म भी साबित हुई थी। इसके बाद 2009 में रिलीज हुई 'अजब प्रेम की गजब कहानी' भी हिट रही। 99 करोड़ का कलेक्शन करके यह साल की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म रही।

रॉकस्टार और बर्फी ने दिलाया इंटरनेशनल स्टारडम

रणबीर ने हमेशा लीक से हटकर फिल्में कीं। 2009 में रणबीर फिल्म 'रॉकेट सिंहः सेल्समैन ऑफ द ईयर' में नजर आए थे। इसमें उन्होंने एक सेल्समैन सरदार का रोल निभाया था। यह रोल उनके दौर के उन सभी हीरोज से अलग था जो आमतौर पर कॉमनमैन की कहानी पर काम नहीं कर रहे थे। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने भले ही शानदार प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन क्रिटिक्स ने न केवल फिल्म बल्कि रणबीर के किरदार की भी खूब तारीफ की। 2010 में आई फिल्म 'राजनीति' में रणबीर ने अपने करियर का पहला ग्रे कैरेक्टर निभाया। एक इंटरव्यू में रणबीर ने इसे अपने करियर का पहला कॉम्प्लेक्स रोल बताया था। यह उनकी पहली फिल्म थी जिसने 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। 2011 में आई फिल्म रॉकस्टार रणबीर के करियर के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित हुई। इस फिल्म से उन्हें इंटरनेशनल स्टारडम मिला। इसके लिए उन्होंने प्रॉपर गिटार बजाना सीखा था। इसके लिए रणबीर को फिल्मफेयर बेस्ट एक्टर और बेस्ट एक्टर क्रिटिक्स दोनों ही अवॉर्ड मिले। 2012 में रिलीज हुई बर्फी से रणबीर ने अपनी अलग ही पहचान बनाई। इसमें उन्होंने एक गूंगे-बहरे शख्स का रोल प्ले किया।

एनिमल ने वापस लौटाया स्टारडम

रणबीर ने अपने करियर में ऐसे दौर भी देखे हैं जब उनकी कई फिल्में फ्लॉप हो गई थीं। 2013 से 2017 के बीच उन्होंने कुल 6 फिल्मों में काम किया, जिनमें से ए दिल है मुश्किल को छोड़कर बेशरम,रॉय,बॉम्बे वेलवेट,तमाशा और जग्गा जासूस जैसी फिल्में फ्लॉप हुईं। लेकिन 2018 में आई फिल्म संजू ने उनकी किस्मत बदल दी और यह सुपरहिट साबित हुई। इसके बाद रणबीर ने लगभग 4 साल का ब्रेक लिया। 2022 में उन्होंने ब्रह्मास्त्र - पार्ट 1 से वापसी की और यह फिल्म भी हिट रही। और फिर 2023 में आई फिल्म एनिमल ने रणबीर को उनका खोया हुआ स्टारडम वापस दिला दिया।

एक नजर रणबीर की लव लाइफ पर

रणबीर कपूर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी लव लाइफ को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहते हैं। उनका नाम दीपिका पादुकोण, कैटरीना कैफ से लेकर पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान तक के साथ जुड़ा था। दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर 2007 में आई फिल्म बचना ए हसीनो के दौरान करीब आए थे,लेकिन एक साल के अंदर ही उनका ब्रेकअप हो गया। कहा जाता है कि रणबीर ने कटरीना कैफ के लिए दीपिका को धोखा दिया था। रणबीर और कटरीना के अफेयर की शुरुआत 2009 में आई फिल्म अजब प्रेम की गजब कहानी से हुई थी। इसके बाद दोनों फिल्म राजनीति में भी साथ नजर आए थे। उनकी पर्सनल फोटो भी वायरल हुईं,जिसके बाद कन्फर्म हो गया था कि वे एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में भी रहे और करीब छह साल तक साथ रहे। हालांकि 2016 में उनका ब्रेकअप हो गया। कहा जाता है कि नीतू कपूर की वजह से ही रणबीर और कटरीना अलग हुए थे, क्योंकि नीतू कपूर को कटरीना पसंद नहीं थीं। इसके अलावा,रणबीर का नाम पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान के साथ भी जुड़ा था,लेकिन माहिरा ने इन खबरों को खुद खारिज कर दिया था। कटरीना के बाद रणबीर की जिंदगी में आलिया भट्ट की एंट्री हुई। दोनों करीब आए जब 2018 में उन्होंने अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र की शूटिंग शुरू की। तब से दोनों साथ हैं और लिव-इन रिलेशनशिप में रहे। लगभग चार साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद रणबीर कपूर और आलिया भट्ट ने 14 अप्रैल 2022 को शादी कर ली। इस शादी से कपल को एक बेटी राहा है।

धर्मेंद्र ने पहले फैन को पीटा फिर दूध पिलाया

बेटे बॉबी ने बताया पिता के गुस्से का दिलचस्प किस्सा,बोले...वो एक्शन मैन हैं

बॉबी देओल इस वक्त आर्यन खान की सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड को लेकर सुर्खियों में हैं। एक्टर फिलहाल एक पॉडकास्ट में पहुंचे थे,जहां उन्होंने फैमिली,करियर,ट्रोलर्स समेत कई मुद्दों पर खुलकर बातें की। इसी दौरान उन्होंने पिता धर्मेंद्र से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा सुनाया। बॉबी ने बताया कि एक बार उनके पिता ने एक फैन की पिटाई कर दी थी। दरअसल,बॉबी हाल ही में यूट्यूबर राज शमानी के पॉडकास्ट में पहुंचे थे। वहां पर राज ने उसने पूछा कि पिता धर्मेंद्र की कौन सी ऐसी बात है,जिसे वो बहुत ज्यादा एडमायर करते हैं। इस पर बॉबी पिता से जुड़ा एक किस्सा शेयर करते हैं। वो कहते हैं- 'उनके पास बहुत बड़ा दिल है।' इस पर राज कहते हैं कि जरा डिटेल में बताइए। फिर बॉबी ने कहा- 'वो जिससे भी मिलते हैं,उसे खास महसूस करता हैं। वो हर किसी को समझते हैं सम्मान और प्यार देते हैं और यह एक दुर्लभ गुण है। कई बार ऐसा भी हुआ है कि जाहिर है, कुछ फैंस ने कुछ बेवकूफी की है और उन्होंने उसकी पिटाई भी की है। क्योंकि जब नए फैंस आते हैं, तो उन्हें समझ नहीं आता कि कैसे बातचीत करें। वे बस बहुत उत्साहित हो जाते हैं। वे कुछ बेवकूफी भरी बात कह सकते हैं या बुरा व्यवहार कर सकते हैं। और मैं वहां यह सब देख रहा था,सोच रहा था,मेरे पिताजी ऐसा क्यों कर रहे हैं? वह आदमी आखिरकार उनके पैरों में गिर पड़ा और बोला,मैं आपसे प्यार करता हूं सर। मुझे माफ कर दो।' बॉबी आगे कहते हैं- 'मेरे पिताजी भी ऐसा नहीं करना चाहते थे, लेकिन उस प्रशंसक ने जरूर कुछ

ऐसा कहा होगा जिससे उन्हें बहुत दुख पहुंचा होगा। फिर पापा उसे अंदर ले आए, बिठाया, दूध पिलाया, खाना दिया, यहां तक कि कपड़े भी दिए। बस ऐसे ही हैं वो। वो एक्शन मैन हैं। उन्हें शब्दों की जरूरत नहीं। अगर किसी ने मेरे पापा को नाराज किया, तो खैर नहीं। लोग मेरे भाई के ढाई किलो का हाथ के बारे में बात करते रहते हैं,लेकिन आपने मेरे पापा का हाथ नहीं देखा। वह बीस किलो का है। बॉबी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो लगातार हिंदी और साउथ की फिल्मों में नजर आ रहे हैं। करियर की दूसरी इनिंग में वो सफलता भी हासिल कर रहे हैं।

राहा एक दिन आलिया और रणबीर को भी पीछे छोड़ देगी मेरे डीएनए में मुसलमान मां का असर है : महेश भट्ट

तकरीबन पांच दशकों से जाने-माने निर्माता-निर्देशक-लेखक महेश भट्ट कई कालजयी फिल्मों के अलावा पांच बार राष्ट्रीय पुरस्कार के हकदार भी रहे। वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म तू मेरी पूरी कहानी जैसी लव स्टोरी से।

पचास साल के करियर में पांच नैशनल अवॉर्ड से लेकर कालजयी फ़िल्में देने के बावजूद एक क्रिएटर के रूप में आपके अंदर एक ख़ला है (खालीपन) आज भी बाकी है?

मेरे दोस्त, अजीज और भाई सईद कादरी से मैं 14 सालों बाद मिल रहा था जोधपुर में और उन्होंने तब ये बात कही थी, आवारापन,बंजारापन,एक ख़ला है सीने में,हर पल हर वक्त बेचैनी है,कौन बला है सीने में। मैंने फौरन पूजा (उनकी बेटी पूजा भट्ट) को फोन लगाया और कहा,तुम्हारी फिल्म बन गई जिस्म। मगर उस बच्ची को समझ में ही नहीं आया कि इस गाने का फिल्म से क्या संबंध है? मगर जब मैंने उस गाने को कहानी में बुना, तो वो किरदार अनोखा हो गया। तो मेरा मानना है कि एक आर्टिस्ट में फितरतन एक ख़ला होती है और वही उसके क्रिएटिव प्रोसेस को बनाए रखती है।

सैयारा जैसी लव स्टोरी ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा बिजनेस किया, तो क्या आपको लगता है कि नए चेहरों वाली प्रेम कहानियों का दौर लौट आया है। आपकी फिल्म भी प्यार के रंग में ही रंगी है?

मोहित सूरी ने ऐसा कुछ कर दिखाया, जो हमारे पूरे परिवार ने नहीं किया था। वो मेरी बहन का बच्चा है और उसे हमने ही पाल-पोसकर और मार कर बड़ा किया है। मगर द लायन किंग के मुफासा में वो हमारे लिए सिंबा साबित हुआ और तभी हमारी जीत है। मैं अपनी इस फिल्म की निर्देशक सुहृता दास के लिए भी यही चाहूंगा। जहां तक क्यूरेटेड

कॉन्टेंट की बात है,तो लोग देखने कम ही जा रहे हैं,क्योंकि लोग स्क्रोलिंग एज में आ गए हैं,तो ऐसे में आपको सिनेमा हॉल तक ले जाना असंभव सा हो गया है। नए चेहरों के साथ तो ये और मुश्किल है, मगर वर्ड ऑफ़ माउथ बहुत मायने रखता है। बड़ी-बड़ी स्टारकास्ट की फिल्म कई बार ओपनिंग तो ले लेती हैं, मगर फिर अगले दिन दम तोड़ देती हैं जबकि कई बार नॉन स्टार कास्ट वाली फ़िल्में चल पड़ती हैं। बाजार डरा हुआ है और इसीलिए वो किसी स्टार को लेकर ओपनिंग सेफ कर लेना चाहता है। ओपनिंग की लालच में वो इतना खर्च करते हैं कि पिक्चर की रिकवरी मुश्किल हो जाती है। हमारे पास तो नए चेहरों के अलावा और कोई चॉइस ही नहीं है। मगर अच्छी फिल्म लोग जरूर देखेंगे।

आपकी तरह आपकी अदाकारा बेटी आलिया भी नैशनल अवॉर्ड की हकदार साबित हुई, विरासत को आगे बढ़ते देख कैसा लगता है?

मैं खुद से जुड़े सभी लोगों को अपना परिवार मानता हूं। मैं जिंदगी में बड़े-बड़े रिस्क लेने को तैयार रहता हूं।भीड़ से हटकर जब तक आप कुछ नहीं करेंगे,तब तक आप दिख नहीं पाएंगे। जहां तक विरासत को आगे बढ़ाने की बात है, तो पूजा ने अपनी जगह बनाई। वो अपने मिजाज की एक अलग ख़ातून हैं। वो एक इंडिविजुअल आइडेंटिटी हैं। सारेगामा की मार्केटिंग की मीटिंग में कई 5eng लड़कियां थीं और उनमें से जो लड़की लीड कर रही थी,वो जाते हुए बोली,बहुत गर्व होता है आप पर जिस तरह से आपने अपनी बेटियों को बड़ा किया। मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैं तीन बेटियों का बाप हूं और तीनों एक से बढ़कर एक हैं। शाहीन ने डिप्रेशन के बावजूद जिंदगी से जूझ कर जो भी लिखा है,वो कमाल का है। आलिया स्टार बहुत बड़ी है। वो उसके प्रोफेशन का तकाजा है कि वो उतनी खुले तौर पर जी नहीं पाती, जैसे पूजा, शाहीन और हम जीते हैं। वो हाल ही में मां भी बनी है, मगर मैं बहुत खुश हूं वो अपने किस्म की लड़की है, जो अपनी शर्तों पर जिंदगी जी रही है।

मगर यदि मैं राहा (उनकी नवासी) की बात करूं, तो क्या आपके लिए असल से सूद ज्यादा प्यारा है?

देखिए,राहा अब तीन साल की होने वाली है। मैं तो कहता हूं कि वो रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को रिप्लेस कर देगी। उसमें जिंदगी की वो एनर्जी है। हर जनरेशन अपनी पिछली जनरेशन से आगे और तेज होती है। राहा को जब मैं देखता हूं, तो लगता है कि उसमें एक अलग किस्म की एनर्जी है। अभी कल ही मिला था में उसको। वो क्रॉस ब्रीड है, बहुत ख़ास है और मुझे लगता है हिंदुस्तान की शान यही है गंगा-जमुनी तहजीब। मैं तो गर्व करता हूं कि मेरे डीएनए में मेरी मुसलमान मां का मेजर असर रहा है। ये कमाल का मुल्क है, जहां इतने तरह की संस्कृतियां एक साथ को-एग्जिस्ट करती है।

खेल समाचार

मिथुन मन्हास बीसीसीआई के नए अध्यक्ष बने

नई दिल्ली,28 सितम्बर 2025। फॉर्मर डोमेस्टिक क्रिकेटर मिथुन मन्हास भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई के अध्यक्ष बन गए है। इसका ऐलान रविवार को मुंबई में बीसीसीआई ऑफिस में हुई एनुअल जरनल मीटिंग के बाद हुआ। वे इस पद पर निर्विरोध चुने गए। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर मिथुन मन्हास को बधाई दी। उन्होंने लिखा- मिथुन मन्हास आधिकारिक रूप से बीसीसीआई के अध्यक्ष बन गए हैं।

जम्मू कश्मीर की अंडर-15 टीम में खेले

मन्हास ने जम्मू कश्मीर से अंडर-15, अंडर-16 और अंडर-19 खेला। उन्होंने 3 साल जम्मू कश्मीर के लिए अंडर-19 खेला। साल 1995 में उन्होंने लगभग 750 रन बनाए और देश के हाईएस्ट अंडर-19 स्कोरर बने। बाद में जम्मू कश्मीर टीम के कैप्टन बने। इसी परफॉर्मेंस के चलते उनका सिलेक्शन नॉर्थ जोन के लिए हुआ। 12वीं की परीक्षा देने के बाद मन्हास कुछ महीनों के लिए पहली बार दिल्ली आए। तब उनकी उम्र 17 साल थे। यहां आकर उन्होंने दिल्ली के प्रीमियर

टूर्नामेंट में हिस्सा लिया और यहीं से खेलने लगे। उस दौर में दिल्ली की टीम में वीरेंद्र सहवाग और आशीष नेहरा जैसे दिग्गज खेलते थे। दिल्ली के टूर्नामेंट में अच्छा परफॉर्म करने के चलते उनका सिलेक्शन अंडर-19 नेशनल टीम में हुआ। फिर साल 1996 में उनका सिलेक्शन रणजी ट्रॉफी में दिल्ली की टीम में हुआ। हालांकि, कोई मैच नहीं खेला। फिर अगले साल 1997 में उन्होंने दिल्ली की ओर से रणजी डेब्यू किया।

दिल्ली रणजी टीम के कैप्टन बने और ट्रॉफी दिलाई

मन्हास ने दिल्ली टीम के लिए लगातार अच्छा परफॉर्म करते हुए मिडिल ऑर्डर में अपनी जगह पक्की की। 2001-02 सीजन में पहली बार रणजी ट्रॉफी में 1000+ रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हुए। फिर वो 2006 से 2008 तक दिल्ली रणजी टीम के कप्तान रहे। उनकी कप्तानी में दिल्ली ने 2007-08 रणजी ट्रॉफी जीती। ये दिल्ली टीम का 16वां रणजी ट्रॉफी खिताब था।

दिल्ली डेयरडेविल्स से आईपीएल डेब्यू हुआ

रणजी में अच्छा परफॉरमेंस देने के चलते मन्हास का सिलेक्शन आईपीएल के पहले सीजन में हो गया। उन्होंने 2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स से आईपीएल डेब्यू किया। फिर साल 2011 में आईपीएल में पुणे वॉरियर्स इंडिया से जुड़े। साल 2017 में संन्यास के बाद कोचिंग में एंट्री की। आईपीएल फ्रेंचाइजी किंग्स XI पंजाब (अब पंजाब किंग्स XI) और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ सपोर्ट स्टाफ के रूप में जुड़े।

नेपाल ने टी-20 में पहली बार वेस्टइंडीज को हराया

नई दिल्ली, 28 सितम्बर 2025। शारजाह में खेले गए तीन टी-20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में नेपाल ने वेस्टइंडीज को 19 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 8 विकेट के नुकसान पर 148 रन बनाए, जिसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 9 विकेट खोकर 129 रन ही बना सकी। यह जीत नेपाल की किसी फुल मेंबर टीम के खिलाफ सभी फॉर्मेट में पहली जीत है। इससे पहले 2014 में नेपाल ने टी-20 में अफगानिस्तान को हराया था, लेकिन उस समय अफगानिस्तान एसोसिएट टीम थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ यह नेपाल का पहला टी-20 मैच और किसी फुल मेंबर टीम के खिलाफ उनकी पहली बाइलैट्रल सीरीज की शुरुआत थी।

नेपाल की खराब शुरुआत, लेकिन मजबूत वापसी : टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 8 विकेट पर 148 रन बनाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 8 रन के स्कोर पर पहला विकेट गिर गया। कुशल भुर्तेल 6 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज आशिफ शेख भी सिर्फ 3 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। तीसरे

विकेट के लिए कप्तान रोहित पौडेल और कुशल मल्ला ने 45 गेंदों पर 58 रन की अहम साझेदारी की। कुशल मल्ला ने 21 गेंदों में 2 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 30 रन बनाए, जबकि रोहित पौडेल ने 35 गेंदों में 38 रन की पारी खेली। दीपेंद्र सिंह एरी ने 19 गेंदों में 17 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जेसन होल्डर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि नवीन बिदाईसी ने 29 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। वेस्टइंडीज की फ्लॉप बल्लेबाजी नेपाल के 148 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 129 रन ही बना सकी।

छत्तीसगढ़-ओडिशा बॉर्डर पर जवानों ने 3 नक्सलियों मार गिराया

इनमें 8 लाख का इनामी कमांडर श्रवण भी,शव और एसएलआर राइफल बरामद

कांकेर,28 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़-ओडिशा बॉर्डर पर जवानों ने रविवार को 3 नक्सलियों को मार गिराया है। मारे गए नक्सलियों में 2 पुरुष और एक महिला नक्सली शामिल है। कांकेर-धमतरी बॉर्डर के तियारपानी के जंगलों में मुठभेड़ हुई है। कांकेर एसपी कल्याण एलिसेला ने इसकी पुष्टि की है।

मिली जानकारी के मुताबिक जवानों ने मौके से तीनों नक्सलियों के शव स्क्र श्री नॉट श्री राइफल और 12 बोर बंदूक बरामद किया है। मारे गए नक्सलियों की पहचान सीतानदी एरिया कमेटी का कमांडर श्रवण, नगरी एरिया कमेटी का डिप्टी कमांडर राजेश और सहयोगी बसंती के रूप में हुई है। कांकेर एसपी के मुताबिक कमांडर सरवन मडकम पर 8 लाख, डिप्टी कमांडर राजेश उर्फ राकेश हेमला पर 5 लाख और बसंती कुंजाम पर 1 लाख का इनाम था। तीनों नक्सलियों के शवों को जवान ट्रक से कांकेर जिला मुख्यालय लेकर आ रहे हैं। ये कार्रवाई कांकेर डीआरजी, बीएसएफ और गरियाबंद पुलिस ने की है। दरअसल, कांकेर कोतवाली थाना क्षेत्र के तियारपानी के जंगलों में

नक्सलियों के मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद सूचना के आधार पर कांकेर डीआरजी, बीएसएफ और गरियाबंद पुलिस सर्च ऑपरेशन पर निकली थी,तभी जंगल में घात लगाए नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाला। दोनों ओर से फायरिंग में तीन नक्सली मारे गए। आशंका जताई जा रही है कि जंगल में और भी नक्सली छिपे हो सकते हैं। इलाके में रुक-रुककर फायरिंग जारी है।

6 दिन पहले 2 सेंट्रल कमेटी मेंबर मारे गए...

6 दिन पहले ही नारायणपुर जिले में जवानों ने मुठभेड़ में सेंट्रल कमेटी के 2 नक्सलियों को मार गिराया था। मारे गए नक्सलियों पर 1.8-1.8 करोड़ का इनाम घोषित था। जवानों ने दोनों के शव और मौके से हथियार बरामद किया है। मुठभेड़ के अबूझमाड़ के जंगलों में हुई थी। नारायणपुर पुलिस के मुताबिक मारे गए नक्सलियों की पहचान सेंट्रल कमेटी सदस्य राजू दादा उर्फ कट्टा रामचंद्र रेड्डी और कोसा दादा उर्फ कादरी सत्यनारायण रेड्डी के रूप में हुई। नारायणपुर पुलिस अधीक्षक रॉबिन्सन ने पुष्टि की है।

रायपुर कलेक्ट्रेट के एंग्लो रिकॉर्ड-सेल की छत गिरी

मलबे में दबीं पेंशन से जुड़ी फाइलें,कमरा सील

रायपुर,28 सितम्बर 2025। रायपुर के कलेक्ट्रेट परिसर में रविवार सुबह एंग्लो रिकॉर्ड रूम की जर्जर छत अचानक गिर गई। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है,लेकिन कई महत्वपूर्ण सरकारी फाइलें मलबे और धूल के नीचे दब गईं। फिलहाल कमरे को सील कर दिया गया है। मलबा हटाने का काम जारी है। जानकारी के अनुसार, रविवार की छुट्टी होने की वजह से कार्यालय में कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। अगर वर्किंग डे होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। इस इमारत में रोजाना सैकड़ों लोग काम के लिए आते हैं। साथ ही कर्मचारी काम करते हैं। ये बिल्डिंग अंग्रेजों के जमाने की है, जो लगभग 150 साल पुरानी है।

छत गिरते ही आई तेज आवाज

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सुबह अचानक तेज आवाज के साथ कक्ष क्रमांक-8 की छत भरभराकर नीचे गिर गई। देखते ही देखते कमरे में धूल का गुबार फैल गया। सूचना मिलते ही कर्मचारी और अधिकारी मौके पर पहुंचे। मलबा हटाने और रिकॉर्ड को सुरक्षित बाहर निकालने का काम शुरू किया गया।

एडिशनल कलेक्टर मनीष मिश्रा ने कहा कि एंग्लो रिकॉर्ड रूम में यह हादसा हुआ है। संबंधित अधिकारियों को बुलाकर रिकॉर्ड को व्यवस्थित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस कक्ष में पुराने कर्मचारियों के पेंशन और गैजेट से जुड़े महत्वपूर्ण रिकॉर्ड रखे थे। आगे आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। रायपुर कलेक्टर गौरव कुमार सिंह ने बताया कि यह बहुत पुरानी इमारत है। हमें ऐसी चिंता थी, इसलिए हमने वहां बैठने वाले कर्मचारियों के लिए दूसरे कमरे में बैठने की व्यवस्था की। वहां रखे रिकॉर्ड निकाल लिए गए हैं। कलेक्ट्रेट के लिए एक नई बिल्डिंग प्रस्तावित है। जल्द ही काम शुरू हो जाएगा।

रायपुर के प्रिंटिंग इंक गोदाम में लगी आग

आसमान में दिखा धुएं का गुबार,फायर ब्रिगेड ने पाया काबू,शॉर्ट सर्किट की आशंका

रायपुर,28 सितम्बर 2025। रायपुर के खमतराई में रविवार को प्रिंटिंग इंक के गोदाम में अचानक आग लग गई है। आग इतनी तेज है कि धुएं का काला गुबार आसमान में दिख रहा है। दमकल की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। फिलहाल आग लगने की वजह पता नहीं चली है। मामला खमतराई थाना इलाके का है। बताया जा रहा है कि, आग लगने की घटना करीब 3:15 बजे के आसपास की है। रविवार होने की वजह से गोदाम के भीतर कोई स्टाफ मौजूद नहीं था। तभी अचानक गोदाम के एक तरफ से आग की लपटे उठने लगी। जब धुआं ऊपर की ओर उठने लगा तो लोगों की नजर पड़ी। जिसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

थिनर और केमिकल ज्वलनशील पदार्थ से फैली आग

फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने फोम डालकर आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि यह एक प्रिंटिंग इंक का गोदाम था। जहां थिनर और केमिकल जैसे ज्वलनशील पदार्थ भी रखे हुए थे। इसी वजह से आग तेजी से फैल गई। इस घटना में लाखों का नुकसान हुआ है। आशंका जताई जा रही कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी। फिलहाल खमतराई पुलिस मौके में जांच में जुट गई है।

रायपुर में होटल,क्लब और रेस्टोरेंट अब रात 12 बजे ही हो जाएंगे बंद, प्रशासन ने संचालकों को नोटिस जारी कर दिए निर्देश

रायपुर,28 सितम्बर 2025। शहर के तेलीबांधा इलाके में स्थित होटल,बार,क्लब, पब और रेस्टोरेंट अब रात 12 बजे के बाद पूरी तरह बंद रहेंगे। प्रशासन ने शनिवार को सभी संचालकों को नोटिस जारी कर यह स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निर्धारित समय के बाद कोई पार्टी, आयोजन या डीजे का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। इस नियम का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी,जिसमें एफआईआर दर्ज करने तक की संभावना शामिल है। सिविल लाइन के सीएसपी रमाकांत साहू ने बताया कि यह कदम शहर में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया है। पिछले कुछ समय से देर रात तक चलने वाली पार्टियों और शराब परोसने की शिकायतें बढ़ रही थीं,जिससे स्थानीय निवासियों को परेशानी हो रही थी। अब रात 12:30 बजे तक सभी प्रतिष्ठान बंद कराने के सख्त आदेश हैं। इस समय के बाद केवल फूड पार्सल सेवा की अनुमति होगी, जबकि शराब परोसना या कोई साउंड सिस्टम चलाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

वकालत करना चाहते हैं तो यह परीक्षा होगी अनिवार्य,29 से शुरू होगा पंजीयन

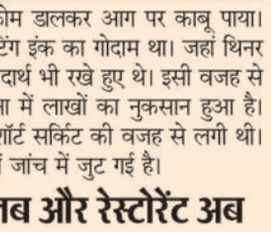

रायपुर,28 सितम्बर 2025। कानून के जो छात्र भारत में वकील के रूप में वकालत करना चाहते हैं, उन्हें बीसीआई द्वारा आयोजित बार परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन का नोटिस जारी कर दिया है। पंजीकरण प्रक्रिया 29 सितंबर, 2025 से शुरू होने वाली है। इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित समयावधि तक आधिकारिक वेबसाइट allindiabare&amination.com पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार, पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 28 अक्तूबर, 2025 है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से परीक्षा का आयोजन 30 नवंबर, 2025 को किया जाएगा। एआईबीई 20 के लिए पात्रता के अनुसार, 3 या 5 वर्षीय एलएलबी प्रोग्राम के लॉ ग्रेजुएट या अंतिम वर्ष के छात्र जिनके कोई बैकलॉग न हों, आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से रजिस्टर कर सकते हैं। एआईबीई की आधिकारिक वेबसाइट पर लिखा है, कोई भी उम्मीदवार, चाहे वह वर्तमान में छात्र हो या स्नातक,जो किसी ऐसे विश्वविद्यालय या कॉलेज से पढ़ रहा हो या उत्तीर्ण हो जो बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त/अनुमोदित नहीं है,एआईबीई के लिए पात्र नहीं होगा।

'उत्तम क्षमा,सबसे क्षमा और सबको क्षमा' में बड़प्पन और वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर,28 सितम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर में सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा आयोजित मैत्री महोत्सव में शामिल हुए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में पूज्य आर्यिकारत्न 105 अंतर्मति माताजी ससंघ के मंगल सान्निध्य में आयोजित गुरु शरणम्-मैत्री महोत्सव-क्षमादान उत्सव में विधायक राजेश मूणत, जैन समाज के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने मंच पर पूज्य आर्यिकारत्न 105 अंतर्मति माताजी ससंघ को श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में जैन समाज की पारंपरिक पगड़ी और गमछा पहनाकर मुख्यमंत्री का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया तथा आचार्य विद्यासागर कल्याण सेवा संस्था के लोगो का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मैत्री महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मिक जागृति और शुद्धिकरण का पावन अवसर है। भारत की पुण्यभूमि केवल सभ्यता और संस्कृति की जननी ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता की जीवंत प्रयोगशाला भी रही है। यहाँ धर्म केवल पूजा तक

सीमित नहीं है, बल्कि जीवन जीने की कला है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने 'जियो और जीने दो' का संदेश दिया। हाल ही में मनाए गए क्षमादान पर्व का सार यही है कि 'उत्तम क्षमा, सबसे क्षमा और सबको क्षमा'–यही बड़प्पन है और यही वसुधैव कुटुम्बकम का वास्तविक संदेश है। जैन धर्म ने इस भावना को सबसे सुंदर और गहन रूप में प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन समाज परोपकारी समाज है और इसके सेवा भाव का लाभ छत्तीसगढ़ को निरंतर मिलता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत के सिद्धांत समरस समाज की आधारशिला हैं। मैं पूज्य आचार्य विद्यासागर जी महाराज के पावन स्मरण और पूज्य आर्यिकारत्न 105 अंतर्मति माताजी ससंघ के मंगल सान्निध्य में उन सभी संतों को नमन करता हूँ, जिन्होंने अपने संयम, तप और साधना से समाज को दिशा दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य विद्यासागर जी का जीवन-दर्शन हम सबके लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने सिखाया कि सच्चा धर्म त्याग, सेवा और आत्मसंयम में है। यह छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि आचार्य जी ने अपने कठोर साधना के अनेक वर्ष यहाँ व्यतीत किए और चंद्रगिरी तीर्थ पर समाधि ली। साय ने कहा कि जैन धर्म के तीर्थंकरों के दिए आदर्श–अहिंसा परमो धर्मः,अनेकांतवाद,सत्य और संयम–केवल जैन समाज की धरोहर नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की आत्मा हैं। कार्यक्रम में सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष विनोद बड़जात्या ने आचार्य विद्यासागर कल्याण सेवा संस्था द्वारा संचालित आचार्य विद्यासागर कल्याण योजना की जानकारी दी और समाज के सभी लोगों से इस योजना से जुड़ने की अपील की। सीआईआई के अध्यक्ष संजय बड़जात्या ने भी सभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री साय ने जैन तीर्थों के निर्माण और संरक्षण के लिए मनीष जैन, आयुर्वेद सेवा के लिए विजय गोधा तथा समाज सेवा के लिए सुनील संगोलिया को सम्मानित किया। उन्होंने चांदी पर उत्कीर्ण गुरु-स्मृति तथा आचार्य विद्यासागर द्वारा रचित हाइकू,जिसे चांदी पर उत्कीर्ण किया गया है, का विमोचन भी किया। इस अवसर पर जैन समाज के अनेक पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इनमें सर्वनरेन्द्र जैन, यशवंत जैन, रतनलाल बड़जात्या, सुधीर बाकलीवाल सहित अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तित्व शामिल थे।

बालोद में बड़ा हादसा:बीएसपी माइंस में मधुमक्खियों के हमले से 11 कर्मचारी घायल,अस्पताल में भर्ती

बालोद,28 सितम्बर 2025। जिले के दल्लीराजहरा स्थित भिलाई स्टील प्लांट की खदानों से रविवार सुबह एक बड़ी घटना सामने आई। यहां अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने कर्मचारियों पर हमला कर दिया,जिससे खदान क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस अप्रत्याशित हमले में 11 कर्मचारी घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल बीएसपी अस्पताल, दल्लीराजहरा में भर्ती कराया गया है,जहां उनका इलाज डॉक्टरों की निगरानी में जारी है।

कैसे हुआ हादसा?

मिली जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह जनरल शिफ्ट में कार्यरत कर्मचारी जैसे ही माइंस गेट के पास पहुंचे, तभी पास में मौजूद मधुमक्खियों का बड़ा झुंड अचानक उन पर टूट पड़ा। मधुमक्खियों के डंक से कर्मचारी

कर्मचारियों की हालत और इलाज

हमले में घायल 11 कर्मचारियों को तुरंत बीएसपी अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, अधिकांश कर्मचारियों के शरीर पर कई जगह मधुमक्खियों के डंक लगे हैं। फिलहाल सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है और अस्पताल प्रशासन लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

बुरी तरह घायल हो गए। स्थिति इतनी भयावह थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारी इधर-उधर भागने लगे।

माइंस प्रबंधन अलर्ट पर : इस घटना के बाद बीएसपी माइंस प्रबंधन सतर्क हो गया है। घटना के कारणों को लेकर अनुमान लगाया जा रहा है कि संभवतः मधुमक्खियों का छत्ता आसपास के किसी पेड़ या संरचना में मौजूद था और कर्मचारियों की गतिविधियों से परेशान होकर झुंड ने अचानक हमला कर दिया। फिलहाल माइंस प्रबंधन ने कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए विशेष सतर्कता बरतने और ऐसी स्थिति से निपटने के उपाय करने के निर्देश दिए हैं।

स्थानीय कर्मचारियों में दहशत : इस अप्रत्याशित हमले के बाद कर्मचारियों में दहशत का माहौल है। कई लोगों का कहना है कि उन्होंने पहली बार खदान परिसर में इस तरह का भयावह अनुभव देखा है। कर्मचारी संगठन ने भी प्रबंधन से मांग की है कि माइंस क्षेत्र में सुरक्षा के मद्देनजर मधुमक्खियों के छत्तों को हटवाया जाए और कर्मचारियों को सुरक्षित माहौल में काम करने की गारंटी दी जाए।

भूपेश बघेल ने किया मां बम्लेश्वरी के किए दर्शन

बोले...माता रानी के दर्शन आसान,लेकिन विष्णु के दर्शन कठिन,कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की

खैरागढ़,28 सितम्बर 2025। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रविवार को नवरात्रि के अवसर पर डोंगरगढ़ स्थित मां बम्लेश्वरी धाम पहुंचे। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ÷नवरात्र में माता रानी के दर्शन करना सरल है, लेकिन विष्णु के दर्शन कठिन हो गए हैं। पूजा-अर्चना के बाद मीडिया से बातचीत में भूपेश बघेल ने यह बयान दिया। बिहार विधानसभा चुनाव में उन्हें स्टार प्रचारक बनाए जाने पर कहा कि यह उनके लिए गौरव की बात है

कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी उन पर लगातार विश्वास जताती है। उन्होंने कहा कि जहां भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलती है, पूरी निष्ठा और समर्पण से पार्टी के लिए काम करता हूं। डोंगरगढ़ प्रवास के दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की और संगठन को मजबूत करने पर जोर देते हुए कार्यकर्ताओं से जनता से सीधे जुड़ने और उनके मुद्दों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

कोरबा से नक्सली रामा इच्छा गिरफ्तार रायपुर में पकड़े गए नक्सली से था कनेक्शन

कोरबा/रायपुर,28 सितम्बर 2025। स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने कोरबा में छापेमारी कर नक्सली रामा इच्छा को गिरफ्तार किया है। रामा कोयला खदान में मजदूर था और मजदूर संगठनों के जरिए नक्सलियों को फंडिंग में मदद करता था। वह रायपुर से पकड़े गए नक्सली दंपति जग्गू कुरसम और कमला कुरसम के संपर्क में था, जिन्हें 23 सितंबर को चंगोराभाठा,रायपुर से गिरफ्तार किया गया था। रामा को गिरफ्तार करने के बाद बिलासपुर एनआईए कोर्ट में पेश किया गया। जग्गू और कमला भैरमगढ़ डिवीजनल कमेटी व एरिया कमेटी के सक्रिय सदस्य थे, जो रायपुर में छिपकर फर्जी दस्तावेजों के जरिये रह रहे थे। एसआईए की जांच में शहरी नक्सली नेटवर्क का खुलासा हुआ। राजधानी से नक्सली दंपति के गिरफ्तार होने के बाद इनके शहरी नेटवर्क को लेकर जांच एजेंसियों ने जांच शुरू की तो कई चैकान वाले खुलासे हुए। बताया जा रहा है कि राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के अन्य

जिलों में नक्सली आम लोगों के बीच रहकर नक्सली फंडिंग में मदद कर रहे है। इसी कड़ी में स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने कोरबा में छापामार कार्रवाई कर रामा इच्छा नामक नक्सली को गिरफ्तार किया है। रामा के किन से संपर्क थे इसकी जानकारी जुटा कर कोरबा में और संदिग्धों की तलाश जारी है।

छत्तीसगढ़ में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज,कई जिलों में होगी झमाझम बारिश

रायपुर,28 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में आज मौसम फिर करवट ले सकता है। कई क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश और कुछ जगहों पर वज्रपात की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में 1 अक्टूबर को निम्न दाब का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे नए महीने की शुरुआत बारिश के साथ हो सकती है।

पिछले 24 घंटों का मौसम

पिछले 24 घंटों में दुर्ग और बस्तर संभाग के कई स्थानों पर बारिश हुई, कुछ जगहों पर भारी वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान दुर्ग में अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस और पेंड्रा रोड में न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, दक्षिण तटीय ओडिशा के ऊपर एक अवदाब क्षेत्र है, जो पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। यह दक्षिण ओडिशा और छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ने के बाद धीरे-धीरे

कमजोर हो सकता है। इसके अलावा, एक द्रोणिका दक्षिण ओडिशा से गोवा तक, तेलंगाना और उत्तर कर्नाटक से होकर 3.1 से 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैली है। उत्तर अंडमान सागर में 30 सितंबर को एक चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है, जिसके प्रभाव से 1 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी में निम्न दाब का क्षेत्र विकसित हो सकता है। इससे छत्तीसगढ़ में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी।

मौसम विभाग ने कई जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है। बालोद, राजनांदगांव, दुर्ग, बेमेतरा और कबीरधाम में मध्यम बारिश, मेघगर्जन, आकाशीय बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी/घंटा) के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी है। वहीं, सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, कांकेर, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदा बाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर में येलो अलर्ट के साथ बारिश और तेज हवाओं की संभावना है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)